राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 312 | गुरूवार 06 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

भूकंप से हिले नॉर्थ-ईस्ट के कई राज्य, तीव्रता 5.6 मापी गई

-घबराए लोग घरों से बाहर निकले

नई दिल्ली। असम और मणिपुर समेत पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में बुधवार सुबह करीब 11 बजे के आस-पास भूकंप के तेज झटकों से लोगों में भय का वातावरण निर्मित हो गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.6 मापी गई है। भूकंप के कारण असम के अलावा मणिपुर और नागालैंड में भी धरती में कंपन महसूस किए गए। राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी तरह के जान-माल का नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। बुधवार सुबह करीब 11.06 बजे भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग भयभीत हो गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के याइरीपोक इलाके में भूकंप से धरती कांपी है। जानकारी अनुसार स्थानीय समयानुसार ठीक 11:06 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.6 तीव्रता का एक मध्यम भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसकी गहराई धरती के अंदर 44 किलोमीटर बताई गई, और इसका केंद्र याइरीपोक शहर से 44 किलोमीटर पूर्व में बताया गया।

अभिनेत्री रान्या राव तस्करी करती पकड़ाई, बेल्ट में छिपा रखी थी सोने की छड़ें

- पुलिस ने गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। सैंडलवुड अभिनेत्री रान्या राव को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। रान्या दुबई से बेंगलुरु पहुंची थीं और उनके पास 14 किलोग्राम सोने की छड़ें मिलीं जो एक बेल्ट में छुपा कर रखी गई थीं। ये बेल्ट उनके शरीर से बंधी थी। इसके अलावा, उनके पास 800 ग्राम सोने के आभूषण भी मिले हैं। मंगलवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच अधिकारियों को शह है कि वह बेंगलुरु हवाईअड्डे के जरिए सक्रिय रूप से संचालित एक सोने की तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं। फिल्मों में कर चुकी रान्या राव (32) आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की बेटी हैं, जोकि कर्नाटक में पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के डीजीपी हैं। अभिनेत्री ने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पटाखी में काम किया है। इसके अलावा, वह तमिल फिल्म वागाह में विक्रम प्रभु के साथ नजर आई थीं। सूत्रों के हवाले से लिखा है कि रान्या की बार-बार की गई अंतरराष्ट्रीय यात्राओं ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है। इस साल की शुरुआत से उन्होंने 10 से ज्यादा बार विदेश यात्राएं की हैं। एक अधिकारी ने बताया कि डीआरआई को शक हुआ जब उन्होंने देखा कि रान्या लगातार छोटे-छोटे अंतराल में गल्फ देशों की यात्राएं कर रही हैं। इस कारण उन्हें ट्रैक किया गया। जब वह सोमवार को दुबई से एमिरेट्स की उड़ान से बेंगलुरु पहुंचीं, तो डीआरआई टीम ने उन्हें रोकने की योजना बनाई।

राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात जाएंगे, चुनावी तैयारियों को देंगे धार

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा आगामी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूती देने के लिए हो रहा है। वे पार्टी संगठन को पुनर्गठित करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देंगे। इसके अलावा, वे कांग्रेस के प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे।

आंदोलनरत किसानों के चंडीगढ़ कूच को देखते हुए सभी बॉर्डर सील, पुलिस अलर्ट पर

चंडीगढ़। पंजाब के किसान अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसके चलते आज किसान चंडीगढ़ कूच करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेतृत्व में यह आंदोलन हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर चंडीगढ़ पुलिस ने सभी बॉर्डर को सील कर दिया गया है और यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। भारतीय किसान यूनियन (एकता-उग्रहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उग्रहां ने किसानों से अपील की है कि वे सड़कों, राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध न करें और जहां उन्हें रोका जाता है, वहीं सड़क किनारे धरना दें। एसकेएम ने पंजाब सरकार पर विरोध के अधिकार को दबाने का आरोप लगाया है।

किसानों की प्रमुख मांगें- आंदोलनरत किसानों की प्रमुख मांगों में कृषि नीति के क्रियान्वयन, भूमिहीन मजदूरों को भूमि वितरण और किसानों की कर्ज माफी शामिल हैं। प्रशासन ने प्रदर्शन के लिए अभी तक कोई निर्धारित स्थान आवंटित नहीं किया है, जिससे तनाव बढ़ने की आंशका व्यक्त की जा रही है।

बजट 2025-26 में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर फोकस है : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट के बाद रोजगार पर वेब गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों में और नवाचार आधारित विषयों में निवेश करना विकसित भारत की रूपरेखा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट 2025-26 में विकसित भारत का खाका सामने आया है। इसमें बुनियादी ढांचे और कौशल विकास को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इस क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। हमें प्रतिभा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई शोध के लिए एक राष्ट्रीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा और इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा जाएगा। रोजगार सृजन को महत्व देते हुए सरकार ने 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टेली-मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे-केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं।

मोदी ने कहा कि इस बजट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। देश भर में पर्यटन के लिए 50 गंतव्य पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा। इन गंतव्य में होटलों को आधारभूत संरचना का दर्जा दिए जाने से पर्यटन में आसानी बढ़ेगा, स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने की घोषणा बहुत ही अहम है। इस मिशन के माध्यम से एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि फरवरी में ही भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर IMF के शानदार टिप्पणियों भी हम सबके सामने हैं।इस रिपोर्ट के मुताबिक 2015 से 2025 के बीच के 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने 66प्र. की ग्रोथ दर्ज की है। भारत अब 3.8 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है। ये ग्रोथ कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से भी ज्यादा है। वो दिन दूर नहीं जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा।

पिछले 10 दिनों में यमुना से 1,300 टन कचरा निकाला गया : मंत्री प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को नाव से यमुना का निरीक्षण किया और कहा कि पिछले 10 दिनों में नदी से 1,300 टन कचरा निकाला गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हाल में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में यमुना की सफाई का वादा किया था।

वर्मा ने कहा, '2023 में दिल्ली को बाढ़ का सामना करना पड़ा। पहले सभी जलद्वार बंद कर दिए गए थे, लेकिन अब भविष्य में बाढ़ को रोकने के लिए उनकी मरम्मत कर दी गई है और उन्हें ऊंचा कर दिया गया है।' मंत्री ने कहा, ''हमारी सबसे बड़ी प्रतिबद्धता यमुना को पूरी तरह से साफ करना और बहाल करना है। पिछले 10 दिनों में 1,300 टन कचरा निकाला जा चुका है। दिल्ली विकास प्राधिकरण नदी के तल को बहाल करेगा और अतिक्रमण हटाया जा रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि नदी में अपशिष्ट जल

गिराने वाले 18 प्रमुख नालों के लिए सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) स्थापित किए जाएंगे।

वर्मा ने कहा, 'शिकायतों का समाधान किया जाएगा, नए एसटीपी स्थापित किए जाएंगे और मौजूदा एसटीपी की क्षमता बढ़ाई जाएगी। सभी एसटीपी दो साल के भीतर स्थापित होने की उम्मीद है।' उन्होंने दावा किया कि पिछले दशक में नदी की सफाई के लिए कोई महत्वपूर्ण काम नहीं किया गया, यहां तक कि 'कागजों पर भी कुछ नहीं' किया गया। वर्मा ने कहा, 'पिछली सरकार के मन में यमुना के लिए काम करने का विचार भी नहीं आया। लेकिन अब, न केवल दिल्ली सरकार बल्कि खुद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) भी इसमें शामिल है।'

तेजस में उड़ान के दौरान ऑक्सीजन पर आईएलएसएस का पहला परीक्षण पूरी तरह से कामयाब रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस में उड़ान के दौरान ऑक्सीजन पर आधारित इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम (आईएलएसएस) का पहला परीक्षण पूरी तरह से कामयाब रहा है। यह परीक्षण एलसीए-प्रोटोटाइप व्हीकल-3 विमान पर समुद्र तल से 50 हजार फीट की ऊंचाई और युद्धाभ्यास सहित विभिन्न उड़ान स्थितियों में किया गया। इस सिस्टम में लगाई गई सामग्री 90 प्रतिशत स्वदेशी है, जो एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाती है।

स्वदेशी ऑन बोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम (ओबीओजीएस) पर आधारित इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम (आईएलएसएस) अत्याधुनिक प्रणाली है, जिसे उड़ान के दौरान पायलटों के लिए सांस लेने योग्य ऑक्सीजन उत्पन्न करने और नियंत्रित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिससे पारंपरिक तरल ऑक्सीजन सिलेंडर आधारित प्रणालियों पर निर्भरता समाप्त हो जाती है। आईएलएसएस का परीक्षण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) के एलसीए-प्रोटोटाइप व्हीकल-3 विमान पर किया। इस प्रणाली की क्षमता को समुद्र तल से 50 हजार फीट की ऊंचाई और युद्धाभ्यास सहित विभिन्न उड़ान स्थितियों में कड़े एयरोमेडिकल मानकों पर परखा गया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत बेंगलुरु स्थित रक्षा बायो-इंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रो मेडिकल प्रयोगशाला (डीईबीईएल) ने यह परीक्षण 04 मार्च को हल्के लड़ाकू विमान तेजस के लिए किया। परीक्षण के दौरान ऑक्सीजन सांद्रता, डिमांड ब्रीथिंग, 100 फीसदी ऑक्सीजन की उपलब्धता, आवश्यक ऊंचाइयों पर एरोबैटिक युद्धाभ्यास, टैक्सीइंग, टेक ऑफ, ऋूज, जी टर्न और रीजॉइन एप्रोच तथा लैंडिंग के दौरान ब्रीथिंग ऑक्सीजन सिस्टम (बीओएस) को शामिल किया गया। इस प्रणाली ने सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन से उड़ान मंजूरी के बाद सभी निर्दिष्ट मापदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इसके अलावा ऑन-बोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम से अलग इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम में 10 लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स को एकीकृत किया गया है, जिसमें लो-प्रेशर ब्रीदिंग रेगुलेटर, बीओएस, इमरजेंसी ऑक्सीजन सिस्टम, ऑक्सीजन सेंसर, एंटी-जी वाल्व और अन्य उन्नत उपकरण शामिल हैं। इससे वास्तविक समय पर ऑक्सीजन का उत्पादन होगा, जिससे पायलट को उड़ान के दौरान सांस लेने में दिक्कत नहीं होगी और परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। इस प्रणाली का निर्माण एलएंडटी ने विकास सह उत्पादन साझेदार के रूप में किया गया है, जो डीआरडीओ तथा भारतीय रक्षा उद्योगों के बीच महत्वपूर्ण सहयोग को दर्शाता है।

संजय राउत बोले, पीएम मोदी का रिटायरमेंट करीब, इसलिए जा रहे जंगल सफारी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी के रिटायरमेंट का समय आ गया है, इसलिये जंगल में जाकर मजे ले रहे हैं। उनका यह बयान पीएम मोदी के गिर जंगल सफारी के दौरे के बाद आया, जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और इसे प्रधानमंत्री का अपमान बताया। बीजेपी प्रवक्ताओं ने कहा कि पीएम मोदी देश के विकास के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और विपक्षी नेता उनकी लोकप्रियता से घबराकर इस तरह के बयान दे रहे हैं।

पीएम मोदी का गिर जंगल सफारी दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने एशियाई शेरों को करीब से देखा और वन्यजीव संरक्षण व जैव विविधता के महत्व को समझने का संदेश दिया। उनके साथ कुछ केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

विपक्ष के आरोप

विपक्षी दलों का कहना है कि जब देश में महंगाई, बेरोजगारी और किसानों से जुड़े मुद्दे चल रहे हैं, तब प्रधानमंत्री जंगल सफारी में व्यस्त हैं। कई विपक्षी नेताओं ने इसे जनता से दूर भागने की रणनीति करार दिया।

अब सैटेलाइट से चलेगा इंटरनेट, देश के कोने-कोने से समुद्र तक में मिलेगी स्पीड

-जहां केबल और मोबाइल टॉवर की सुविधा नहीं वहां भी होगी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जल्द सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस का शुरु होने वाली है। इस साल जून की शुरूआत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू हो सकती है। दूरसंचार नियामक इस सर्विस के लिए बेस तैयार कर रहा है, जो दूरदराज और समंदर तक में इंटरनेट पहुंचाने में सक्षम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) सैटेलाइट कम्युनिकेश के प्राइसिंग और उपयोग पर

सिफारिशों के एक सेट को अंतिम रूप दे रहा है, जिसे पिछले दो सालों से तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जैसे ही इसकी रूपरेखा तैयार होगी उसके बाद स्पेक्ट्रम एलोकेट किया जाएगा। रिलायंस जियो इन्फोकॉम, भारती एयरटेल और स्टारलिंक द्वारा सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज से जुड़ी सिफारिशें अंतिम रूप दिए जाने के करीब हैं। ब्रॉडबैंड की तुलना में यह सर्विस बहुत आगे है। खास बात है कि यह उन इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी देती है जहां केबल या मोबाइल टावर की सुविधा नहीं है। सैटेलाइट इंटरनेट में स्पेस में मौजूद सैटेलाइट्स का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया के कई देशों में सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ब्रॉडबैंड इंटरनेट की तुलना में ज्यादा महंगा है, क्योंकि सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ी लागत ज्यादा होती है।

भारत और चीन पर दो अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे : ट्रम्प

वाशिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत, चीन, मेक्सिको, कनाडा, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। ट्रंप ने आज (बुधवार) संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत समेत चीन मेक्सिको और कनाडा समेत कई देशों पर टैरिफ लगाएंगे। चीन दोगुना और दक्षिण कोरिया चार गुना ज्यादा टैरिफ लगाता है, जबकि हम उसे सैन्य सहायता देते हैं, लेकिन हम 2 अप्रैल से उस देश पर उतना टैरिफ लगाएंगे, जो देश हम पर जितना टैरिफ लगाता है। बता दें कि इसे रेसिप्रोकल टैरिफ कहा जाता है।'

सवाल ये है कि ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के लिए 2 अप्रैल का ही दिन क्यों चुना? इसका जवाब खुद ट्रंप ने ही दिया। उन्होंने कहा कि वह 1 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाना चाहते थे, लेकिन 'अप्रैल फूल डे' का आरोप नहीं लगाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, चीन, ब्राजील और भारत जैसे देश अमेरिका पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से कहीं ज्यादा टैरिफ लगाते हैं। उन्होंने इस स्थिति को अनुचित बताया। ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया कि जो देश अपने उत्पाद अमेरिका में नहीं बनाते हैं, उन्हें टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में तो हम बड़ी मात्रा में टैरिफ लगाएंगे। बता दें कि अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क मंगलवार से लगा दिया है। चीन की वस्तुओं पर भी 20 प्रतिशत का शुल्क लगाया गया है।

किस पर कितना टैरिफ लगेगा...

कनाडा से आयात- अधिकतर सामानों पर 25प्र. टैरिफ। तेल और बिजली जैसे ऊर्जा उत्पादों पर 10प्र. टैरिफ।

मेक्सिको से आयात- सभी उत्पादों पर 25प्र. टैरिफ लगाया जाएगा।

स्टील और एल्युमिनियम- पहले से लागू 25प्र. टैरिफ आगे भी रहेगा जारी

केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थित तीर्थ स्थल बाबा केदारनाथ तथा सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 6811 करोड रुपए की लागत की दो परियोजनाओं के निर्माण को आज मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की आज यहां हुई बैठक में इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी।

रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन परियोजनाओं पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण-डीबीएफओटी मोड पर काम कराया जाएगा जिन्हें चार से छह

वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रोपवे परियोजनाओं को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा बनाया जाएगा।

श्री वैष्णव बताया कि उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ 12.9 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के निर्माण पर 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह परियोजना सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटेचेबल गोंडोला-3एस तकनीक पर आधारित होगा जिसकी डिजाइन क्षमता 1800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा होगी, जो प्रति दिन 18 हजार यात्रियों को लाने ले जाने में सक्षम होगी। एक गोंडोला मिनी बस के समान होगा जिसमें एक बार में 36 यात्री सवारी कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि रोपवे निर्माण से केदारनाथ की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चढ़ाई में लगने वाला 8 से 9 घंटे की अवधि घटकर महज 36 मिनट रह जाएगी। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में 6 से 7 महीने में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री पहुंचते हैं। रोपवे के निर्माण से यह संख्या 23 लाख हो जाएगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे परियोजना को भी डीबीएफओटी मोड पर तैयार किया जाएगा। इसमें 10.55 किलोमीटर तक गोविंदघाट से घांघरिया तक और 1.85 किलोमीटर घांघरिया से हेमकुंड साहिब तक बनाया जाएगा। इस परियोजना पर 2730.13 करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है। करीब 15 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब की यात्रा गोविंदघाट से 21 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है।

उन्होंने कहा कि इस रोपवे से हेमकुंड साहिब के दर्शन के साथ ही फूलों की घाटी का दौरा करने वाले पर्यटकों को भी सुविधा होगी जो घांघरिया से करीब चार किलोमीटर की दूरी पर है। इस तीर्थ पर हर साल करीब दो लाख यात्री पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय हेमकुंड साहिब में चार से पांच घंटे ही दर्शन हो पाते हैं। रोपवे बनने के बाद दिन में दस घंटे तक दर्शन की सुविधा संभव हो सकेगी। रोपवे के माध्यम से एक दिन में करीब 1100 यात्री आ जा सकेंगे।

एक सवाल के जवाब में सूचना प्रसारण मंत्री ने बताया कि दोनों परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर गहरायी से विचार किया गया है और सभी चिंताओं का समाधान किया गया है। रोपवे का संचालन उत्तराखंड रोपवे अधिनियम 2014 के अंतर्गत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केदारनाथ एवं हेमकुंड साहिब के लिए माल पहुंचाने के लिए भी रोपवे सेवा बहुत उपयोगी साबित होगी। सामान के परिवहन की लागत घटने से यात्रियों को भी लाभ होगा।

संभल : मस्जिद की जगह मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका पर सुनवाई 28 अप्रैल को

संभल (उप्र)। जिला अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को 28 अप्रैल की तारीख नियत की जिसमें दावा किया गया है कि यहां स्थित शाही जामा मस्जिद की जगह पहले हरिहर मंदिर था। सुनवाई के लिए जब यह मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह के समक्ष आया, तो उन्होंने सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए टाल दी। याचिका 19 नवंबर, 2023 को एक अन्य अदालत में दायर की गई थी। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रतिवादी को अपना लिखित बयान प्रस्तुत करना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, ''आज सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। अगली तारीख 28 अप्रैल तय की गई है। मस्जिद पक्ष के वकील को आज अपना लिखित बयान दाखिल करना था, लेकिन उन्होंने अभी तक इसे जमा नहीं किया है।'' वकील ने कहा, ''हमने अदालत से अपील की है कि उन्हें अपना लिखित बयान दाखिल करने का कोई और मौका न दिया जाए।'' शाही जामा मस्जिद के प्रमुख जफर अली ने संवाददाताओं से कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय से स्थगन का आदेश दिया जा चुका है इसलिए कोई सुनवाई नहीं हुई।'' उन्होंने कहा कि सुनवाई की तारीख 28 अप्रैल है।

उप्र : नाबालिग दलित लड़की से बलात्कार के दोषी को 10 साल की कैद

महराजगंज (उप्र)। महराजगंज की एक स्थानीय अदालत ने साल 2016 में एक नाबालिग दलित लड़की से बलात्कार करने के आरोपी एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय वकील विजय नारायण सिंह ने बुधवार को बताया कि विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) विनय कुमार सिंह ने मंगलवार को जिले के बरगदवा थाना क्षेत्र में हैदर (20) को 14 वर्षीय एक दलित लड़की से बलात्कार करने का दोषी ठहराया। सिंह ने कहा कि न्यायाधीश ने दोषी पर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और आदेश दिया कि यदि आरोपी जुर्माना जमा करने में विफल रहता है, तो उसे एक महीने की अतिरिक्त जेल की सजा होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 28 अगस्त 2016 को हुई थी। बलात्कार पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर हैदर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 376 (बलात्कार) के साथ-साथ 3(2)5 एससी/एसटी अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराएं भी शामिल थीं।

ट्रकों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

हाथरस (उप्र)। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र के निहालपुर गांव के पास कासगंज मार्ग पर बुधवार को दो ट्रकों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुई जब कासगंज की ओर जा रहा दाल से लदा एक ट्रक सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के चालक ट्रक के केबिन में फंस गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक ट्रक के चालक हरिओम पुरी (30) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे ट्रक के चालक विकास (33) को गंभीर चोटें आईं। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने क्रेन की मदद से सड़क साफ कराई और यातायात बहाल कराया। पुलिस क्षेत्राधिकारी श्यामवीर सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

टायर फटने से बेकाबू हुई कार ने चार लोगों को कुचला, दो की मौत

लखनऊ। लखनऊ के हसनगंज इलाके में बुधवार को टायर फटने से बेकाबू हुई कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई तथा इतने ही अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना हसनगंज थाना क्षेत्र के नदवा रोड पर रात करीब एक बजे हुई जब तेज गति से जा रही एक कार टायर फटने से अनियंत्रित हो गयी और उसने डिवाइडर पर सो रहे चार लोगों को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि कार लोहे के खंभे से टकराने के बाद रुक गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घायल हुए चारों लोगों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। दो घायलों का इलाज जारी है। हसनगंज के थानाध्यक्ष डी.के. सिंह ने बताया कि कार चालक दुर्घटना के बाद मौके से भाग गया। पुलिस उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बताया कि चालक नशे में था या नहीं, यह जांच का विषय है।

फिरोजाबाद में स्लीपर बस दुर्घटनाग्रस्त, पश्चिम बंगाल के 20 तीर्थयात्री घायल

फिरोजाबाद। मक्खनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक स्लीपर बस सड़क हादसे का शिकार हो गई। उसमें सवार पश्चिम बंगाल के 20 तीर्थयात्री घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि बस में करीब 74 सवारियां थी। यह सभी पश्चिम बंगाल के उत्तरी परगना जिले के रहने वाले हैं, जो दो मार्च को तीर्थ यात्रा पर निकले थे। प्रयागराज व उसके आसपास जिलों में तीर्थ स्थलों पर घूमने के बाद सभी लोग बस से आगरा जा रहे थे, तभी वह हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने मौके से क्रेन के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क से हटवाकर यातायात को चालू करवाया है। सभी घायलों का इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में चल रहा है। साथ ही उनके परिजनों को भी सूचना दे दी गई है।

यूपी विस में पान मसाला और गुटखा बैन, नियम तोड़ा तो जुर्माने के साथ होगा एक्शन!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा परिसर में पान मसाला और गुटखा पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने घोषणा करते हुए इसे स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। बुधवार को यूपी विधानसभा में स्पीकर सतीश महाना ने ऐलान किया कि अब विधानसभा परिसर में कोई भी पान मसाला और गुटखा नहीं खाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम का उल्लंघन करने पर तत्काल आर्थिक दंड लगाया जाएगा और आगे की कार्रवाई भी की जा सकती है।

मायावती के ऑफर को आकाश आनंद के पिता ने ठुकराया

-नेशनल कोऑर्डिनेटर बनने से इनकार, भाई से जिम्मेदारी वापस ली

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा में शुरू हुआ पारिवारिक विवाद अब बढ़ता जा रहा है। मायावती की भतीजे आकाश आनंद से अनबन के बाद अब भाई आनंद कुमार से भी नहीं बन रही। मायावती ने 3 दिन पहले भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। इसके बाद उनके पिता आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, आनंद कुमार ने नेशनल कोऑर्डिनेटर पद पर काम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मायावती ने उनसे जिम्मेदारी वापस ले ली है। बुधवार सुबह मायावती ने एक्स पर 2 पोस्ट किए। इसमें लिखा- आनंद कुमार ने एक पद पर काम करने की इच्छा जाहिर की। इसलिए, वह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। जबकि नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद की जिम्मेदारी उनसे वापस ली जा रही है। इसके अलावा, मायावती ने पार्टी में कई बड़े फेरबदल का ऐलान किया है। सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी है।

सीएम योगी ने सदन में कहा 'जो हमारा वो हमें मिले', सपा विधायक बोले- ये ठीक नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में मस्जिद विवाद पर सियासी संग्राम छिड़ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि जो हमारा है वो हमें मिलना चाहिए। उनके इस बयान के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है।

सपा विधायक आरके वर्मा ने कहा कि आप हर जगह को अपने हिसाब से देखने की कोशिश करते है, जिसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। सबकी अपनी परंपराएं रही हैं। लेकिन हर दूसरे के जगह में अपनी जगह तलाशना ठीक बात नहीं मानी जा सकती। जिसकी जो जगह है, उसकी जगह बने रहने देना चाहिए, मैं इस बात का समर्थन करता हूं। हमारे भारत का संविधान सर्वधर्म समभाव की बात करता है। भारत का संविधान यह कहता है कि किसी धर्म, समुदाय, पूजा पद्धति या पूजा स्थल में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। इस प्रकार की परंपराओं और विश्वासों में बदलाव करना संविधान के खिलाफ है।

इसके बाद उन्होंने सरकार के एक और पहलू पर सवाल उठाया, उन्होंने कहा कि सरकार ने जो बड़े पैमाने पर निवेशकों को आमंत्रित किया था और कई उद्योगपतियों और कंपनियों से समझौते किए थे, उनमें से कुछ भगोड़े साबित हो रहे हैं। उन्होंने पूछा कि सरकार उन उद्योगपतियों के बारे में क्या कहेगी जिनके बारे में यह जानकारी मिल रही है कि उनका सारा काम फर्जी था।

वहीं सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि भाजपा जगहों के नाम बदलने पर अड़ी हुई है। सरकार को मंदिर-मजिस्द से ऊपर उठकर जनता के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को कहा कि प्रदेश सरकार विकास के साथ-साथ राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को कायम रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हम विकास और विरासत को साथ लेकर चल रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि विकास के साथ-साथ प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण और प्रचार-प्रसार भी किया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार विकास के नए-नए आयाम स्थापित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने का काम कर रही है।

औरंगजेब को अपना आदर्श मानती है समाजवादी पार्टी: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

अयोध्या (एजेंसी)। लखनऊ, 05 मार्च (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर औरंगजेब को आदर्श मानने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिनका आचरण मुगल शासक जैसा है वे लोग तो उन पर ही गौरव की अनुभूति करेंगे।

आदित्यनाथ ने विधान परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान सपा पर तीखे प्रहार किये और औरंगजेब की तारीफ करने वाले, महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आसिम आजमी को पार्टी से निकालने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाजवादी पार्टी डॉक्टर लोहिया के विचारों से कितनी दूर भाग चुकी है। उन्होंने कहा कि आज राम, कृष्ण, शिव की परंपरा और भारत की विरासत को कोसना समाजवादी पार्टी का उद्देश्य है। 'दुर्भाग्य की बात है कि औरंगजेब को यह लोग अपना आदर्श मान रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'औरंगजेब के पिता शाहजहां ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि खुदा करे कि ऐसी औलाद किसी के यहां पैदा ना हो। उसने आगरा के किले में अपने बाप को कैद करके रखा, पानी के लिए तरसाया। शाहजहां ने औरंगज़ेब को कोसते हुए लिखा है कि तुमसे अच्छा तो यह हिंदू है जो जीते जी अपने मां-बाप की सेवा करता है, और उनके मरने के बाद श्राद्ध और तर्पण के माध्यम से वर्ष में एक बार उनको जल देता है। तुम तो मुझे एक-एक बूंद पानी के लिए तरसाते हो।''

उन्होंने कहा कि औरंगजेब पर गौरव करने वाले लोग पटना की खुदाबख्श लाइब्रेरी में जाकर एक बार शाहजहां की जीवनी पढ़ें तो उसकी पीड़ा का पता चलेगा।

आदित्यनाथ ने यह भी कहा, 'जिनका आचरण औरंगजेब जैसा है वे लोग तो औरंगजेब पर गौरव की अनुभूति करेंगे ही। कोई भी सभ्य मुसलमान अपने पुत्र का नाम औरंगजेब नहीं रखता क्योंकि उसे मालूम है कि यथा नाम तथा काम। अगर ऐसा नाम रखेंगे तो एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ेगा।'

आदित्यनाथ के ऐसा कहने पर सपा सदस्यों ने आपत्ति जताई। तब मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आसिम आजमी का नाम लिए बगैर कहा, 'सपा का नेता, आपका विधायकज. उसे निकालो पार्टी से.. और उसे एक बार उत्तर प्रदेश भेज दीजिए, बाकी उपचार हम अपने आप करवा लेंगे।' उन्होंने कहा, 'जो व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज के परंपरागत गौरव की अनुभूति करने के बजाय लज्जा महसूस करे और औरंगजेब को अपना नायक मान रहा हो, क्या उसको भारत में रहने का अधिकार होना चाहिए? सपा को इसका जवाब देना चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'एक तरफ आप कुंभ को कोसते रहे और दूसरी तरफ औरंगजेब का महिमामंडन करते हैं। आखिर आपकी ऐसी कौन सी नस दबी हुई है कि आप लोग अपने उस विधायक पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं? सपा को उसे बाहर निकाल देना चाहिए।'

गौरतलब है कि मुम्बई के मानखुर्द शिवाजी नगर सीट से सपा के विधायक अबू आसिम आजमी ने मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ करते हुए कहा था कि वह क्रूर शासक नहीं था और उसने कई मंदिर भी बनवाये थे। उन्होंने कहा था कि वह यह बात इतिहासकारों के हवाले से ही कह रहे हैं।

निवेशकों को निशाना बनाकर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं योगी : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समाजवादी पार्टी (सपा) पर अपने कार्यकाल के दौरान अंसल एपीआई जैसे बिल्डरों का पक्ष लेने का आरोप लगाने के एक दिन बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा सरकार पर निवेशकों को निशाना बनाकर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

उन्होंने निवेश को लेकर सरकार के रुख पर सवाल उठाया और कहा कि जो नेता अब आरोप लगा रहे हैं, उन्होंने पहले भी उन्हीं स्थानों पर परियोजनाओं का उद्घाटन किया था।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अपनी नाकामी छिपाने के लिए जब लोग किसी और का नाम लेते हैं तो भूल जाते हैं कि उसी के नाम से बनी सिटी में स्थित मॉल और अस्पताल का उन्होंने ही उद्घाटन किया था। उसी विशाल परिसर में बने एक नये होटल में जी20 के मेहमान आपने ही ठहराए थे। यह वही जगह है जहाँ अरबों रुपए का सच्चा इन्वेस्टमेंट आया।'

यादव ने 1.12 मिनट का एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें आदित्यनाथ अंसल के गोल्फ सिटी में लुलु मॉल का उद्घाटन कर रहे थे। जी20 गोल्फ सिटी के एक होटल में आयोजित किया गया था और कैंसर अस्पताल भी वहीं स्थित है।

उन्होंने कहा, 'निवेशकों पर आरोप लगाकर हतोत्साहित करने से न तो निवेश का विकास होगा, न ही प्रदेश का। उप्र के सभी समझदार लोग कह रहे हैं कि अगर सब गलत था तो आप वहाँ अपना बुलडोजर लेकर जाते। आप कैंची लेकर उद्घाटन करने क्यों पहुँच गये?'

सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्ता से आदित्यनाथ की संभावित बेदखली की चर्चा उनमें हताशा पैदा कर रही है।

उन्होंने कहा, 'जनता कह रही है कि जब उसे ढूँढने पाताल लोक जाएं तो परतों में दबी उस गहरी वजह की भी खोज-ख़बर लेते आएं जो उनकी गद्दी को हिला रही है। उनके सत्ता से बेदख़ल होने की जो चर्चाएं हर तरफ़ हैं, यह उसी की खीझ है। विस्थापन का डर ही उनके मुँह से ऊंची आवाज़ बनकर निकल रहा है। सफलता व्यक्ति को शांत, शालीन और शिष्ट बनाती है और विफलता वहीज. जो दिख रहा है।'

यादव अपने संबोधनों में आरोप लगाते थे कि केंद्र और उप्र सरकारों के बीच मतभेद हैं।

राज्य विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान आदित्यनाथ ने घर खरीदने वालों को आश्वस्त किया और कहा कि किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि वे आम आदमी और गरीबों से पैसा लेकर भाग सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा था, 'हमारी सरकार ऐसे लोगों को पाताल की गहराई से भी खोज निकालेगी।' उन्होंने कहा कि ऐसे हर मामले पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

आदित्यनाथ ने कहा था, 'हमने आज इसका एक उदाहरण देखा और मैंने इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। अंसल आपकी (सपा की) बनाई हुई कंपनी है। आपकी सरकार के दौरान ही इसकी सभी अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया और निवेशकों और घर खरीदने वालों को धोखा दिया गया।'

आदित्यनाथ ने कहा था, 'यह सब समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हुआ। आपने बिल्डर की सीमा बढ़ा दी, जबकि हमने उसे कम कर शिकंजा कस दिया। अगर घर खरीदने वाले एक भी व्यक्ति को धोखा दिया गया तो हम सभी संपत्तियां जब्त कर लेंगे और न्याय सुनिश्चित करेंगे।'

आदित्यनाथ के संबोधन के बाद मंगलवार शाम को अंसल के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई।

जाने कब लट्ठमार होली देखने और खेलने पहुंचें कान्हा की नगरी

मथुरा। विश्व प्रसिद्ध कान्हा की नगरी ब्रज की होली का आगाज हो रहा है। वहीं होली जिसका इंतजार बड़ी ही बेसब्री से होता है। ब्रज की वहीं होली जिसकी गूंज चारों ओर सुनाई देती है, हर ओर रंग अबीर गुलाल उड़ता हुआ दिखाता है। ज्यादातर लोगों की पसंद ब्रज की होली होती है और इसकारण बड़ी संख्या में लोग होली के त्यौहार पर ब्रज पहुंचते हैं। रंगोत्सव के मौके पर ब्रज में आने वाले लोग पूरी तरह से होली के रंग में रंगे दिखाते हैं। लड्डू की होली हो या फिर लट्ठमार होली नजारा अलग होता है और उसके साथ ब्रज के रसिया जिसका आनंद केवल ब्रज में ही मिलेगा। वृंदावन, बरसाना, गोकुल, नंदगांव, मथुरा, बलदेव, गोवर्धन सहित पूरे क्षेत्र में होली की धूम नजर आ रही है।

वैसे पूरे महीने ही ब्रज में होली का रंग नजर आता है। लेकिन प्रसिद्ध होली का आगाज 7 मार्च हो रहा है, जिसे फाग आमंत्रण कहते हैं। इस दिन लड्डू की होली का आयोजन होता है। ब्रज की बोली और ब्रज की होली दुनिया भर में अपनी अनोखी झलक को लेकर प्रसिद्ध है। फागुन का महीना शुरू होते ही ब्रज में होली के उत्सव की धूम भी शुरू हो जाती है, क्योंकि फागुन के उत्सव में ब्रज और बृजवासी दोनों रंगे हुए नजर आते हैं। ब्रज की पारंपरिक होली का आगाज 7 मार्च से होगा। 7 मार्च को आमंत्रण के साथ ही होली उत्सव की शुरुआत होगी। 7 मार्च को भाग आमंत्रण के साथ-साथ लड्डू होली का आयोजन किया जाएगा, जोकि अपने आप में प्रसिद्ध है। लड्डू होली नंदगांव और बरसाना में खेली जाएगी। 08 मार्च को अपनी अनोखी झलक वाली लट्ठमार होली होगी, जिसमें गुजरिया हुरियारों पर लट्ठमार मर होली खेलेंगी।

लखनऊ की अदालत में पेश नहीं हुए राहुल गांधी, जज ने लगाया दो सौ रुपये का जुर्माना

लखनऊ। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर टिप्पणी के एक मामले में बुधवार को लखनऊ की अदालत में पेश नहीं हुए। जज ने उन पर दो सौ रुपये का जुर्माना लगाने के साथ उन्हें अगली तारीख पर पेश होने का आदेश दिया। अदालत में याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता नृपेंद्र पांडेय ने बताया कि राहुल गांधी ने 17 दिसंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित प्रेस वार्ता में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने सावरकर को 'अंग्रेजों का नौकर' और 'पेंशन लेने वाला' कहा था। गांधी का यह बयान समाज में वैमनस्य और घृणा फैलाने के लिए दिया गया था। इस दौरान वहां पर पर्चे भी बांटे गए थे। उन्होंने बताया कि बयान के बाद राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (ए) और 505 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की गई थी। उन्होंने बताया कि अदालत ने अगली सुनवाई पर भी नहीं पेश होने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में मामले की सुनवाई हो रही है। अगली सुनवाई के लिए 14 मार्च की तारीख दी गई है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की ओर से उनके अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने अदालत में एक प्रार्थना पत्र (अर्जी) दाखिल कर राहुल गांधी के अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो पाने की वजह बताई। अर्जी में कहा गया है कि राहुल गांधी इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और बुधवार को एक गणमान्य व्यक्ति से मुलाकात का पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम था। इसमें कहा गया है कि वह अदालत का बहुत सम्मान करते हैं।

यूपी में किए गए 9 आईपीएस इधर से उधर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 9 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। डीजी फायर सर्विस के पद पर 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी आदित्य मिश्रा को तैनात किया गया है, जो हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे थे। वहीं, डॉ. के. एजिलरसन को आईजी यूपी 112 की जिम्मेदारी दी गई है। तबादला सूची के अनुसार डॉ. के. एजिलरसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त, वाराणसी को आईजी यूपी 112 में तैनात किया है। मनोज कुमार सोनकर डीआईजी एटीएस को डीआईजी पीएसी अनुभाग वाराणसी में तैनात किया गया है। शगुन गौतम एसपी सतर्कता अधिष्ठान की नवीन तैनाती एसपी एपीटीसी सीतापुर है। राजेश कुमार सिंह डीआईजी/पुलिस उपायुक्त, कानपुर को संयुक्त पुलिस आयुक्त, वाराणसी तैनात किया गया है। देवरंजन वर्मा डीआईजी (प्रतीक्षारत) को डीआईजी नियम व ग्रंथ में तैनात किया गया है। आशीष श्रीवास्तव पुलिस उपायुक्त, कानपुर की नवीन तैनाती पुलिस उपायुक्त, लखनऊ की गई है। अपर्णा गुप्ता पुलिस उपायुक्त, लखनऊ को एसपी, पुलिस मुख्यालय लखनऊ और सूरज कुमार राय पुलिस उपायुक्त, आगरा की नवीन तैनाती सेनानायक, छठवीं वाहिनी पीएसी मेरठ पर की गई है। इससे पहले तीन पीसीएस अधिकारियों के भी तबादले किए गए थे, जिनमें आदित्य कुमार प्रजापति - मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के सचिव से अपर जिलाधिकारी (वित्त-राजस्व) प्रतापगढ़ बने। कुंवर बहादुर सिंह - बिजनौर के उपजिलाधिकारी से सचिव, विकास प्राधिकरण मुजफ्फरनगर बनाए गए। कार्तिकेय सिंह - लखीमपुर खीरी के उपजिलाधिकारी से बाराबंकी के उपजिलाधिकारी नियुक्त किए गए। सूत्रों की मानें तो बहुत जल्द ही और अधिकारियों की तबादला सूची जारी हो सकती है।

औरंगाबाद के भाषण ने बुआ और भतीजे के बीच रिश्तों में घोल दी कड़वाहट

-मायावती बोलीं-आकाश ने प्रायश्चित करने की बजाय अहंकार दिखाया

लखनऊ। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से नेशनल कॉर्डिनेटर की जिम्मेदारी छीनी। फिर पार्टी से भी बाहर कर दिया। बुआ मायावती ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया भतीजे पर निजी हमला भी बोला और कहा कि आकाश ने प्रायश्चित करने की बजाय अहंकार दिखाया और अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ की तरह ही काम किया। इसलिस उसे पार्टी से बाहर कर दिया है। मायावती ने आकाश की जगह पर उनके पिता और अपने भाई आनंद कुमार को राष्ट्रीय संयोजक बना दिया है और रामजी गौतम को भी यह जिम्मेदारी सौंपी है। इस तरह बसपा में आकाश की पारी समाप्त हो गई है। आकाश आनंद की बसपा से यह विदाई अचानक भले हुई है, लेकिन इसकी पटकथा पहले से ही तैयार थी। ऐसा माना जा रहा है कि 2023 में एक भाषण आकाश ने दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बसपा में कई गलत लोग अहम पदों पर बैठे हैं। उन्होंने यह भाषण महाराष्ट्र के औरंगाबाद में दिया था। यहां उन्होंने बसपा की ही कार्यप्रणाली पर सवाल उठा दिए थे। यह बात मायावती को नागवार गुजरी थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आकाश के इस रुख ने ही बुआ और भतीजे के बीच रिश्तों में कड़वाहट धोल दी। आकाश ने अपने भाषण में कहा था कि बीते दो से तीन सालों में मैंने यह देखा है कि हमारे कुछ कार्यकर्ता परेशान हैं, जिस तरीके से पार्टी चल रही है।

प्रदूषण की बात करने वाले वही लोग हैं, जो अपने समय में कुछ कर नहीं पाए : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र 2025-26 में विधान परिषद को संबोधित किया। बुधवार को बजट पर चर्चा करते हुए उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदूषण की बात करने वाले वही लोग हैं, जो अपने समय में कुछ कर नहीं पाए। मुख्यमंत्री ने कहा, 'संवाद और विचारों की अभिव्यक्ति लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। अपनी अभिव्यक्ति को मर्यादा के दायरे में सदन के मंच पर रखें।'

सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम उन सभी घटनाओं के साक्षी बन रहे हैं। महाकुंभ प्रयागराज उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश-दुनिया के हर व्यक्ति के मस्तिष्क में छाया दिखा है। यह यूनिक इवेंट बनकर दुनिया को लंबे समय तक अपनी ओर आकर्षित करेगा। जब महाकुंभ का आयोजन हो रहा था, तो कई सदस्य, संगठन व पार्टियां अनर्गल प्रलाप भी कर रहे थे। इससे इतर हम लोग मौन रहकर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। महाकुंभ के महत्व, आध्यात्मिक पहलू, सामाजिक पहलू, राष्ट्रीय एकात्मकता व आर्थिक पहलू को लेकर अनेक विचारकों-विशेषज्ञों ने राय रखी। महाकुंभ के बारे में चर्चा वही कर सकता है, जिसने महाकुंभ का दर्शन किया हो। जो महाकुंभ नगरी में जाकर सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आयोजन का सहभागी बना होगा, महाकुंभ के अलग-अलग पक्षों के बारे में वही चर्चा कर पाएगा।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत में कहा है कि मुझे जो जिस रूप में स्मरण करता है, मैं उसे उसी रूप में दिखाई देता हूं। जिसकी जैसी दृष्टि थी, उसे वैसी ही सृष्टि महाकुंभ में देखने को मिली। इस महाआयोजन को यूनेस्को के निदेशक समेत दुनिया की मीडिया ने भी काफी सराहा। मुख्यमंत्री ने एक दैनिक समाचार पत्र के आर्टिकल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लेखक संघ विचारधारा के नहीं हैं, उनका भाजपा से भी कोई संबंध नहीं है, लेकिन उन्होंने महाकुंभ के बारे में लिखा है कि समाज अपने अनुभवों के बारे में जीता है। 45 दिन लंबे अनुभव में हर दिन एक से डेढ़ करोड़ की संख्या में आती, संगम में सहज अनुशासित भाव से 'आस्था की डुबकी' लगाती और उतनी शांति से वापस जाती भीड़ ने अपने सद्-व्यवहार से दुनिया की मीडिया को आकर्षित व अभिभूत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 45 दिन में 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। यूपी हो या प्रयागराज, कहीं भी लूट, अपहरण, दुष्कर्म, छेड़छाड़ की घटना नहीं हुई, जिससे कोई शर्मिंदा महसूस करे। यह सामाजिक अनुशासन है। महाकुंभ ने नया हिंदू विमर्श भी पैदा किया है कि हे पश्चिमी आधुनिकता! जिसे तूने दूषित किया, वह अब भी हमारे लिए पवित्र है। क्योंकि यही हमारी सुरसरि है, जो वह बहते-बहते हर एक को पवित्र करती रहती है, विज्ञान भी तो यही कहता है कि बहता हुआ जल अपने आप को पवित्र करता रहता है। हमारी नदी संस्कृति भी यही है।

उन्होंने कहा कि गंगा की अविरलता और पवित्रता के बारे में प्रश्न उठ रहा था। मां गंगा बिजनौर से बलिया तक 1,000 किलोमीटर दूरी तय करती हैं। नमामि गंगे परियोजना (2014) के पहले सबसे क्रिटिकल प्वाइंट कानपुर था। यह न सिर्फ यूपी, बल्कि गंगोत्री से लेकर गंगासागर के 2,500 किलोमीटर के दायरे में था। कानपुर में 125 वर्ष से सीसामऊ

में चार करोड़ लीटर सीवर प्रतिदिन गंगा जी में उड़ेला जाता था, लेकिन पीएम मोदी ने नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई। हालांकि, पैसा 2015 में भी उपलब्ध कराया गया, लेकिन सपा की तत्कालीन सरकार ने उसे लागू करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। प्रदूषण की बात करने वाले वही लोग हैं, जो अपने समय में कुछ कर नहीं पाए।

सीएम योगी ने आगे कहा कि जब हमें अवसर मिला तो डबल इंजन सरकार ने सीसामऊ के सीवर पॉइंट को सेल्फी पॉइंट बनाया। कानपुर में आज एक भी बूंद सीवर गंगा जी में नहीं जाता है, जबकि अंग्रेजों के समय से सीवर गिराने का कार्य प्रारंभ हुआ था। जनवरी से फरवरी तक हर सैंपल पास हुआ है। यह चीजें दिखाती हैं कि मां गंगा और नदी संस्कृति अपनी शुद्धता का ध्यान भी रखती है, क्योंकि वह हमारी जीविका और जीवन का भी आधार है।

सरस मेले में सभी राज्यों के हस्तनिर्मित उत्पादों की हो रही बंपर सेल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 का आयोजन सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में किया जा रहा है। बुधवार को सरस मेले के 13वें दिन भी लोगों ने यहां जमकर खरीदारी की। 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक के आयोजन में देशभर के 31 राज्यों से महिला उद्यमी अपनी हस्तकला का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उक्त मेले में जहां एक ओर हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम के उत्पाद धूम मचा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर देश के पहाड़ी राज्यों के उत्पाद भी लोगों को खासे भा रहे हैं। मंगलवार को सरस मेले के 12वें दिन भी लोगों की खासी भीड़ रही तथा जमकर खरीदारी भी की। सरस मेले में सभी राज्यों के हस्तनिर्मित उत्पादों की दिनोंदिन बंपर सेल हो रही है। वहीं लखपति दीदी की संज्ञा मिलने से भी सभी राज्यों की उद्यमी महिलाएं खासी प्रेरित हो रही हैं। उक्त संबंध में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू से बुनगन दुर्गा माता एसएचजी की इन्दिरा ने बताया कि उन्होंने अपने समूह का गठन आज से चार वर्ष पूर्व वर्ष-2022 में किया था। केंद्र सरकार से समूह को चलाने में निरंतर सहयोग मिलता रहा, जिसके परिणामस्वरूप आज उनके समूह से करीब 40 महिलाएं जुड़ी हैं, जिन्हें रोजगार मिल रहा है। इनके उत्पादों में हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम के उत्पाद महिलाओं को खासे भा रहे हैं। हमारे उत्पादों में मुख्य रूप से हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम के उत्पाद शामिल हैं, जिनमें कुल्लू शॉल प्रमुख है। वहीं जम्मू-कश्मीर से आफताब एसएचजी की संचालिका नुजहत हुसैन ने भी केंद्र सरकार के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि सरकार हमें आत्मनिर्भर बना रही है, इसके लिए किन शब्दों में सरकार का शुक्रगुजार करें। इनकें उत्पादों में इम्ब्रोइडरी ड्रैस तथा पश्मिना शॉल शामिल हैं। सरस आजीविका मेला वास्तव में स्वाद, हस्तकला और संस्कृति का महासेगम बना है। जहां पूरे भारत की संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है। मेले में उत्तराखंड की जय मां काली एसएचजी के बैग एवं पर्स के साथ ही हिमाचल एवं झारखंड के अचार की लोगों ने जमकर खरीदारी की।इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर के आफताब एसएचजी के सूट, कश्मीरी शॉल तथा साड़ी महिलाओं की पहली पसंद बने। वहीं हिमाचल प्रदेश के जेकेट्स तथा साड़ी-सूट की भी जमकर खरीदारी हुई। सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 में दिनोंदिन खरीदारों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। मंगलवार को जहां एक ओर मेले के 12वें दिन लोगों ने खसकर महिलाओं एवं युवतियों ने मेले में जमकर खरीदारी की। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से आयोजित इस मेले में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में मंगलवार को जमकर खरीदारी हुई। इंडिया फूडकोर्ट में भी लोगों की खासी चहल-पहल रही। फूडकोर्ट के सब कॉर्डिनेटर विष्णु जीके ने बताया कि इंडिया फूडकोट में देश के सभी राज्यों के स्वादिष्ट एवं प्रचलित व्यंजन उपलब्ध हैं, जिनका लोगों को भरपूर जायका मिल रहा है। एक छत के नीचे पूरे देश के व्यंजनों का स्वाद ही इंडिया फूडकोट की पहचान है। मंगलवार को सरस मेले के 13वें दिन यहां न सिर्फ खासी भीड़ रही, बल्कि लोगों ने जमकर खरीदारी भी की। मनोरंजन के क्षेत्र में भी सरस मेला खासी ख्याति अर्जित कर रहा है। 13वें दिन बुधवार को यहां मानसी अग्रवाल के कलाकारों ने स्टोरी टेलिंग की मनमोहक प्रस्तुति दी।यहां राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह तथा सुरेश पंसाद के सहित केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं एनआईआरडीपीआर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी व्यवस्था में जुटे हैं।

जनपद न्यायालय से सेवानिवृत कर्मचारीगण रिक्त पद वरिष्ठ सहायक एवं कनिष्ठ सहायक हेतु 25 मार्च 2025 तक कर सकते हैं आवेदन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशों के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर ने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर न्यायालय में वरिष्ठ सहायक के कुल 22 पद एवं कनिष्ठ सहायक के 21 पद रिक्त हैं। न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारीगण की संख्या अपर्याप्त है एवं कार्य में कठिनाई को दृष्टिगत रखते हुए जनपद न्यायालयों से सेवानिवृत कर्मचारीगण, जिनकी आयु 65 वर्ष पूर्ण न हुई हो, को अस्थायी रूप से पुनः नियुक्ति पर्याप्त रिक्त पदों के भरने तक अथवा पदोन्नति या सीधी भर्ती के माध्यम से जिस पर पुनः नियुक्ति की गई है या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो, के लिए आवेदन पत्र 25 मार्च 2025 तक आमंत्रित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जनपद न्यायालयों से सेवानिवृत कर्मचारीगण द्वारा आवेदन प्रारूप संख्या-1 के साथ घोषणा पत्र (प्रारूप-2) में देना अनिवार्य होगा। उक्त आवेदन प्रशासनिक कार्यालय जनपद न्यायालय गौतमबुद्धनगर में मूल रूप में स्वीकार होंगे।

मातृशक्ति को उनके योगदान के लिए अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सामाजिक संगठन,महिला उन्नति संस्था की समस्त जिला गौतमबुद्ध नगर टीम एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश ने आज नोएडा के सेक्टर 105 स्थित आंगन एल्डरली होम में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आश्रम की संस्थापाक डॉक्टर मनीषा सिंह, संस्था की संरक्षक इंदु गोयल, पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, डॉक्टर वंदना सिंह,जिला गौतम बुद्ध नगर अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा और अन्य पदाधिकारियों ने भागीदारी की।कार्यक्रम के दौरान भजन,संगीत,हंसी खुशी का मोहाल बनाते हुए अन्य गतिविधियों का आनंद लिया गया।आश्रम की मातृशक्ति और बजुर्ग महिलाओं के संघर्ष और योगदान की सराहना करते हुए उन्हें अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।इस मौके पर मातृ शक्ति को आगे बढ़ाने वाली बजुर्ग पुरुषों को भी अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ दे कर सम्मानित किया।इन सभी बजुर्गों के इस उम्र के पड़ाव में, खुश और प्रसन्नता की लहर देने वाली की सेवाओं की सराहना करते हुए डॉक्टर मनीषा सिंह को अंगवस्त्र पुष्प गुच्छ दे कर हम सब ने सम्मानित किया एवं आभार प्रकट किया कि हमें अपने बजुर्गो से बात करने अवसर मिला ।

नोएडा में होगा 'रेसलिंग गोल्ड कप-2025', युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का मौका!

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा, 02-04 मई 2025 झ नोएडा इंडोर स्टेडियम में आगामी 02 से 04 मई 2025 तक "रेसलिंग गोल्ड कप-2025" का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता स्थानीय पहलवानों और युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर होगी।

संगीता फाउंडेशन के सहयोग से आयोजन

संगीता फाउंडेशन के सलाहकार अंजनी सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेल और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के विजन को आगे ले जाएगी। संगीता फाउंडेशन इस आयोजन में 'चैरिटी पार्टनर' के रूप में सहयोग कर रहा है, जो गरीब, अनाथ और निशक्त बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है।

प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी

जिला कुश्ती एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रदीप जी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक शामिल होंगे। साथ ही, कई प्रमुख कंपनियां यूपीफ्लेक्स, भूटानी ग्रुप, गौर ग्रुप, काउंटी ग्रुप और पतंजलि ग्रुप इस आयोजन को प्रायोजित करने के लिए आगे आ रही हैं।

मीडिया और स्पॉन्सरशिप का सहयोग

ड्रिमिंग मोंक के सीएमडी अनुराज श्रीवास्तव ने बताया कि रेडियो पार्टनर के रूप में रेड एफएम को शामिल किया जा रहा है। मीडिया कोऑर्डिनेटर आर.बी. सिंह ने प्रिंट मीडिया से अपील की कि वे इस आयोजन को व्यापक स्तर पर प्रचारित करें ताकि अधिक से अधिक युवा इस खेल महाकुंभ का हिस्सा बनें।

प्रशासन का सहयोग

जिला कुश्ती एसोसिएशन के सचिव राजेश जी ने नोएडा अथॉरिटी के सीईओ लोकेश एम.जी. का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से नोएडा इंडोर स्टेडियम का आवंटन हुआ।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों का समर्थन

आयोजन समिति के प्रतिनिधियों ने नोएडा के विधायक पंकज जी से मुलाकात कर सहयोग की अपील की। जल्द ही अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी समर्थन मांगा जाएगा।

यह प्रतियोगिता न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगी बल्कि रेसलिंग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

सलाम नमस्ते में निक्षय मित्र सम्मान कार्यक्रम

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में निक्षय मित्र सम्मान का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए मरीजों की सहायता कर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सहयोगी को सम्मान दिया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि दादरी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवींद्र कुमार एवं यूपीएचसी वैशाली के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रीतू वर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।कार्यक्रम दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि यह कार्यक्रम उन सभी व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करने का एक प्रयास है, जो निस्वार्थ भाव से टीबी मरीजों की मदद कर रहे हैं। हमें गर्व है कि सलाम नमस्ते इस महत्वपूर्ण सामाजिक पहल का हिस्सा बन सका। वहीं डॉ. रवींद्र कुमार एवं डॉ. रीतू वर्मा ने निक्षय मित्रों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज को इस दिशा में और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है।सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि सेहत सही लाभ कई कार्यक्रम के तहत स्मार्ट संस्था के सहयोग से निक्षय मित्र सम्मान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रीति फाउंडेशन से डॉ. नरेंद्र सारस्वत, टीबीएचवी से अविनाश कुमार श्रीवास्तव एवं यूपीआईडी से अर्जुन तिलवालिया को टीबी जागरूकता, इलाज, मरीजों की देखभाल एवं मरीज एडॉप्शन के लिए निक्षय मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। निक्षय मित्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि आज के सम्मानित प्रतिभागियों ने टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके इलाज और देखभाल में अहम जिम्मेदारी निभाई।

भूखंडों का कब्जा नहीं मिलने पर ओएसडी से मिले लोग

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर में विकास कार्य को लेकर आज आरडब्लूए सेक्टर-145 का एक प्रतिनिधि मण्डल नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी क्रांति शेखर से मिले। आर डब्लू ए उपाध्यक्ष सुभाष भाटी ने बताया कि किसानों के पांच प्रतिशत के भूखंडों का भूखण्ड स्वामियों को आज कई साल के बाद भी कब्जा नहीं मिल पाया है और ना ही बिजली पानी की व्यवस्था की गई है। टाइम एक्सटेंशन भी नहीं बढ़ाया जा रहा है।वही भूखंड स्वामियों ने लोन ले रखा है और ब्याज भी दे रहे है जिसकी किस्त प्रत्येक महीने जाती है लेकिन सेक्टर में भौतिक कब्जा नोएडा अथॉरिटी द्वारा नहीं दिया गया है बल्कि अभी भी कुछ भाग में वहां पर खेती हो रही है।ओएसडी क्रांति शेखर ने कहा की फसल कटने के बाद विकास कार्य किया जाएगा।इस मौके पर लाट साहब लोहिया एडवोकेट, फोनरवा के कोषाध्यक्ष पवन यादव,संजय चौहान,सुबोध मिश्रा,हर्ष सिंह, रंजन चौहान आदि लोग उपस्थित रहे।

सी.ए.परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रज्ञान स्कूल की पूर्व छात्रा दिव्या छोंकर ने रचा कीर्तिमान

फ्यूचर लाइन टाईम्स जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की पूर्व छात्रा दिव्या छोंकर ने अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम का अद्वितीय परिचय देते हुए सी.ए.की दोनों समूह परीक्षाएं उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। वाणिज्य संकाय की 2022-23 बैच की छात्रा दिव्या ने अपने दृढ़ संकल्प और अनुशासन के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।उनकी इस सफलता पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।विद्यालय के प्रबंधक डा. हरीश कुमार शर्मा एवं डा. प्रधानाचार्या डा. दीप्ति शर्मा ने अपनी पूर्व छात्रा दिव्या छोंकर को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।दिव्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और सतत अभ्यास को दिया। उन्होंने कहा कि सी.ए.की यात्रा कठिन अवश्य है, लेकिन यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और परिश्रम निरंतर जारी रहे, तो सफलता अवश्य मिलती है।

प्रज्ञान स्कूल में 'बजट-2025' पर पैनल परिचर्चा आयोजित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में वाणिज्य वर्ग के छात्र- छात्राओं द्वारा 'बजट-2025' पर एक प्रभावशाली पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया।इस परिचर्चा का उद्देश्य छात्रों को बजट की बारीकियों से अवगत कराना और उन्हें देश की आर्थिक नीतियों को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करना था।विद्यालय के भव्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा, वाणिज्य विभागाध्यक्ष उमेश चंद्र शर्मा एवं वाणिज्य शिक्षक जितेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। वाणिज्य विषय विभागाध्यक्ष उमेश चंद्र शर्मा एवं वाणिज्य शिक्षक जितेंद्र कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देशन में आयोजित की गई इस पैनल परिचर्चा में छात्र-छात्राओं ने बजट-2025 के विभिन्न पहलुओं आर्थिक व्यवस्था पर प्रभाव, लघु एवं बड़े उद्योगों पर प्रभाव, किसानों एवं श्रमिक वर्ग पर प्रभाव, मध्यम वर्ग पर प्रभाव एवं बजट के लाभ एवं हानि आदि पर तथ्यों एवं आंकड़ों के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए जिसने परिचर्चा को अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक बन दिया।इस पैनल परिचर्चा में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं ने अपनी गहन शोध-आधारित प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया।कुछ छात्रों ने बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डाला, तो कुछ ने आयकर में हुए संशोधनों एवं इसके आमजन पर प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्र- छात्राओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि, व्यापारिक संभावनाओं एवं रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार-विमर्श किया।विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने छात्र- छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि बजट किसी भी राष्ट्र की आर्थिक रीति-नीति का प्रतिबिंब होता है।युवाओं को इसकी बारीकियों को समझना चाहिए, जिससे वे भविष्य में एक जागरूक नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें। प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि "ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, जो उनके समग्र विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

नोएडा के डंपिंग ग्राउंड में लगी भीषण आग,दमकल की 15 गाड़ियां आग बुझाने में असफल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा में उस वक्त अफरा तफरी मच गयी जब सेक्टर 32 के डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग लग गयी।आग लगने का अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।वही दमकल की करीब 15 गाड़ियां आग बुझाने की कोशिश कर रही है।लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया है।बता दे कि इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें आग की लपटें काफी ज्यादा दिखाई दे रही हैं और आसमान में धुएं का गुबार भी है। आपको बता दे कि आज नोएडा में सेक्टर 32 के डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग लग गयी।जिसकी वजह से मौके पर अफरा-तफरी जैसा माहौल हो गया था। इस दौरान कई गाड़ियों को मौके से हटाया गया है।आग का धुआं काफी दूर तक देखा जा सकता है।कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।मौके पर पहुंची दमकल की 15 गाड़ियां ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया।मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि डंपिंग ग्राउंड में पूरे शहरभर का उद्यानिक कचरा एकत्रित होता है।सूखे पत्ते आदि होने से आग लगने पर काबू पाना काफी मुश्किल होता है।विगत सालों में भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी है।इस बाबत नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को चार बार पत्राचार किया जा चुका है।15 दिन पहले भी पत्र लिखकर आग की संभावना और बचाव को लेकर ठोस कदम उठाने पर जोर दिया गया था लेकिन कोई पहल नहीं की गई है।

आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम: भारत की विरासत और विकास को करीब से देख रहे युवा

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इकाई नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद एवं गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित 16वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आदिवासी बहुल जिलों झ बस्तर, बीजापुर, कांकेर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़, सुकमा और कालाहांडी से आए 120 प्रतिभागियों को बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का प्रेरणादायक भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी युवाओं को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास, तकनीकी नवाचार और राष्ट्रीय एकता के महत्व से परिचित कराना है, जिससे वे अपने क्षेत्रों में लौटकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दौरान युवाओं ने लाल किला, इंडिया गेट और प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया, जहां उन्होंने भारत के स्वाधीनता संग्राम, राष्ट्र-निर्माण और आधुनिक विकास की गाथा को करीब से देखा। प्रधानमंत्री संग्रहालय में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की योगदान गाथा और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से भविष्य की दिशा को समझने का अवसर मिला। इंडिया गेट पर उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिससे उनमें राष्ट्रभक्ति की भावना और प्रबल हुई। दिल्ली भ्रमण के दौरान पहली बार दिल्ली मेट्रो में सफर करना भी उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव रहा। तेज गति, स्वच्छता, अनुशासन और तकनीकी उन्नति से सुसज्जित मेट्रो यात्रा ने उन्हें यह अहसास कराया कि भारत अब एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इस अनुभव से प्रभावित युवाओं ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे अनमोल सीखों में से एक है। एक प्रतिभागी ने कहा, "हमने भारत की महान विरासत और भविष्य की संभावनाओं को पहली बार इतने करीब से देखा। यह हमारे लिए सिर्फ एक भ्रमण नहीं, बल्कि एक नई दिशा दिखाने वाला अनुभव है।" इस कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र संगठन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक महेंद्र सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में गौतमबुद्धनगर की जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह, बागपत के उपनिदेशक अरुण कुमार तिवारी, गाजियाबाद के उपनिदेशक देवेंद्र सिंह और बुलंदशहर के जिला युवा अधिकारी आकर्ष दीक्षित द्वारा किया जा रहा है अधिकारियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका, आत्मनिर्भर भारत, पंच प्रण, और ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल के संकल्पों पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं से अपने क्षेत्र में सीखी गई बातों को साझा करने और समुदाय को जागरूक करने की अपील की। यह कार्यक्रम केवल एक भ्रमण तक सीमित नहीं था, बल्कि एक नए भारत की सोच से युवाओं को जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल थी। इस यात्रा से युवाओं ने यह समझा कि उनका भविष्य केवल परंपराओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे नवाचार, शिक्षा और तकनीकी विकास के माध्यम से अपनी और अपने समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम केवल सांस्कृतिक मेलजोल का मंच नहीं, बल्कि ह्यविकसित भारत @2047ह्ल की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो आदिवासी युवाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस दौरान स्वयंसेवकों में अमन कुमार, प्रकाश तिवारी, तालिब सहित अन्य का योगदान रहा।

कांशी राम की विरासत और मायावती की तर्ज-ए-सियासत

निर्मल रानी

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों जिसतरह उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी मुख्य पदों से हटा दिया और दो दिन बाद ही उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया उससे भी यही सन्देश गया कि मायावती को अपने परिवार के बाहर भी कोई उत्तराधिकारी नजर नहीं आया और जिस भतीजे को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाया भी उससे भी जल्द ही पीछा छुड़ा लिया? इस तरह के ढुलमुल फैसलों का प्रभाव निश्चित रूप से पार्टी पर जरूर पड़ेगा। सच तो यही है कि कांशी राम की विरासत के रूप में मिले व्यापक जनाधार वाले राजनैतिक दल को मायावती की तर्ज-ए-सियासत के चलते काफी नुकसान हुआ है।

दशक 1980 में बसपा प्रमुख कांशी राम पूरे देश में घूम घूम कर भारतीय समाज को 85 : 15 का जनसँख्या अनुपात समझाते थे और यह बताते थे कि 15 प्रतिशत कथित उच्च जाति के लोग शेष 85 प्रतिशत जातियों व समुदायों के लोगों पर राज कर रहे हैं। और तभी यह नारा प्रचलित हुआ था - वोट हमारा, राज तुम्हारा - नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। जैसे जैसे कांशी राम के नेतृत्व में यह बहुजन आंदोलन आगे बढ़ता गया वैसे वैसे मनुवाद तथा सनातन व्यवस्था में उल्लिखित वर्ण व्यवस्था पर इनका आक्रमण और तेज होता गया। यहाँ तक कि 'तिलक, तराजू और तलवार जैसा 'अभद्र नारा भी उन्हीं दिनों में खूब प्रचलित हुआ। यही वह आंदोलन था जिसमें दलित पिछड़े व अल्पसंख्यक वर्ग के लोग जुड़ते चले गये। यानी कांग्रेस का परम्परागत वोट बैंक धीरे धीरे खिसकना शुरू हो गया। इसी बीच कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी नामक एक नये राजनैतिक दल की स्थापना कर दी। उसी दौरान कांशी राम की भेंट मायावती से हुई जोकि उस समय वकालत व बी एड करने के बाद दिल्ली इंद्रपुरी स्थित जेजे कॉलोनी में एक अध्यापिका के रूप में कार्यरत थीं और साथ ही सिविल सर्विसेज परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थीं। तभी कांशी राम ने मायावती के तेज तर्रार व्यक्तित्व से प्रभावित होकर कहा था कि - 'मैं तुम्हें एक दिन इतना बड़ा नेता बना सकता हूं कि एक नहीं बल्कि आईएएस अधिकारियों की पूरी कतार तुम्हारे आदेशों का पालन करने के लिए लाइन में खड़ी हो जाएगी।' तभी से वे कांशी राम के सहयोगी के रूप में उनके साथ प्रायः देखी जाने लगीं तथा उनके 'क्रन्तिकारी ' व उत्तेजक भाषण भी लोगों को प्रभावित करने लगे।

कांशीराम का 9 अक्टूबर 2006 को 72 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कांशीराम के जीवन के अंतिम दौर में उनकी विरासत को लेकर बसपा के भीतर तथा कांशीराम के परिजनों के द्वारा काफी विवाद भी खड़ा किया गया। परन्तु तेज तर्रार मायावती तब तक कांशी राम पर व उनकी विरासत रुपी बसपा पर पूरा नियंत्रण कर चुकी थीं। यही वजह थी कि बौद्ध धर्म के अनुसार हुये कांशीराम के अंतिम संस्कार में उनके परिजनों ने नहीं बल्कि स्वयं मायावती ने ही उनकी

चिता को अग्नि दी। अब पार्टी में उन्हें 'बहन जी ' के नाम से बुलाया जाने लगा। कांशीराम के नेतृत्व में ही बीएसपी ने 1999 के संसदीय चुनावों में 14 संसदीय सीटें जीतीं थीं। मायावती को चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर बैठने का भी सौभाग्य हासिल है। परन्तु यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस बसपा को कांशीराम ने एक मिशन के रूप में स्थापित किया था और कांशी राम के जिस मिशन से बड़े सामाजिक परिवर्तन की आहट महसूस हो रही थी, पार्टी पर मायावती का वर्चस्व होने के बाद वही मिशन, वही पार्टी अब सत्ता, वैभव, आत्ममुग्धता और परिवारवाद का शिकार होती नजर आने लगी। यहाँ तक कि केवल सत्ता हासिल करने के लिये बुनियादी विचारों से भी समझौता करने लगीं। जिस 'मनुवादी ' व्यवस्था के विरुद्ध बसपा का जन्म हुआ था, 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में उसी ब्रह्मण समुदाय के समर्थन की जरुरत महसूस हुई तो तिलक, तराजू और तलवार जैसा नारा भी बदल गया। 2007 में बहुजन समाज पार्टी, सर्वजन समाज की बातें करने लगी। और यह नया नारा लगा - हाथी नहीं, गणेश है, ब्रह्मा, विष्णु, महेश है। उस समय उत्तर प्रदेश में 37 प्रतिशत ब्राह्मणों ने पार्टी को वोट दिया था।

परन्तु चार बार देश के सबसे बड़े राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद अन्य सत्ताधीशों की ही तरह मायावती भी अहंकार के साथ साथ परिवारवाद का भी शिकार होती चली गयीं। कभी अपने को जिंदा देवी बतातीं तो कभी अपने भाई व भतीजे के मोह में डूबती नजर आतीं। कभी अपनी हार का ठीकरा मुसलमानों पर फोड़तीं तो कभी उनपर पार्टी का टिकट बांटने में लोगों से करोड़ों रुपए वसूलने का आरोप लगा। हद तो यह कि अपने जीवनकाल में ही मायावती ने बाबा साहब आंबेडकर व कांशी राम के साथ ही अपनी भी प्रतिमायें लगवा डालीं। जिसतरह कांशी राम को अपने परिवार से अलग उत्तराधिकारी के रूप में मायावती नजर आयी थीं उस तरह मायावती को परिवार से बाहर अपनी पार्टी का कोई योग्य नेता नजर ही नहीं आया। और आखिरकार मायावती के इन्हीं स्वार्थपूर्ण फैसलों के चलते उनकी पार्टी का जनाधार घटता चला गया। पिछले लोकसभा चुनावों से पूर्व जब इण्डिया गठबंधन वजूद में आया तो मायावती उस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनीं। उसी समय यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि मायावती भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रही हैं। इसके पीछे के कारणों से भी अनेक राजनैतिक विश्लेषक बखूबी वाकिफ हैं। पिछले दिनों दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने मायावती पर बीजेपी को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए स्पष्ट रूप से यह कह दिया था कि यदि बीएसपी 'इंडिया' गठबंधन में होती तो पिछले वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में एनडीए की जीत नहीं होती। इस आरोप से तिलमिला कर मायावती ने कांग्रेस को ही बीजेपी की 'बी' टीम बता डाला। जबकि देश देख रहा है कि इस समय देश में सत्ता, भाजपा व संघ के विरुद्ध जितना राहुल गाँधी मुखर हैं उतना कोई नहीं जबकि मायावती के रवैये से तो पता ही नहीं चलता की वे विपक्ष में हैं या सत्ता के साथ?

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है। पिछले दिनों जिसतरह उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी मुख्य पदों से हटा दिया और दो दिन बाद ही उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर दिया उससे भी यही सन्देश गया कि मायावती को अपने परिवार के बाहर भी कोई उत्तराधिकारी नजर नहीं आया और जिस भतीजे को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाया भी उससे भी जल्द ही पीछा छुड़ा लिया? इस तरह के ढुलमुल फैसलों का प्रभाव निश्चित रूप से पार्टी पर जरूर पड़ेगा। सच तो यही है कि कांशी राम की विरासत के रूप में मिले व्यापक जनाधार वाले राजनैतिक दल को मायावती की तर्ज-ए-सियासत के चलते काफी नुकसान हुआ है।

संपादकीय

जिक्र न था फसाने में

जरात पुलिस की खिंचाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संविधान के अस्तित्व के 75 साल बाद भाषण और अभिव्यक्ति की आजादी को कम से कम अब पुलिस को समझना चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने इस साल की शुरूआत में जामनगर में शादी समारोह में भाग लेने के बाद इंस्टाग्राम पर वीड़ियो पोस्ट किया। इसमें बैकग्राउंड़ में कविता है-ए, खून के प्यासे बात सुनो। कविता के इन शब्दों को आपत्तिजनक माना गया। पीठ ने इमरान द्वारा दायर अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसने उनके खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से इंकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि पुलिस को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। गुजरात की तरफ से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता के यह कहने पर कि लोगों ने इसका अर्थ अलग-अलग तरीकों से समझा होगा। इसे सड़क छाप टाइप की कविता ठहराने पर अदालत ने कहा कि अब किसी को रचनात्मकता का सम्मान नहीं है। कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढक्षी पर धारा 196 (धर्म, जाति, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भावना के लिए हानिकारक काम करना) 197 (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक दावे, 299 (जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण कार्य, किसी धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान), 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से कुछ बोलना), 57 (आम जनता या दस से ज्यादा लोगों को अपराध के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया जिससे पहली नजर में स्पष्ट है कि विपक्षी दल के नेता के खिलाफ निजी वैमनस्यता और पूर्वाग्रहीत कारणों से जबरन मामले को गंभीर बनाने की कोशिशें की गई हैं। धर्म के आधार पर देशवासियों के दरम्यान गहरी खाई पैदा करने वाली विचारधारा ने समाज में संकीर्णता को प्रोत्साहित करने का काम किया है, जो बाल की खाल निकाल कर असहिष्णुता और नकारात्मकता फैलाने का काम करने में मशगूल है। उक्त मिसरा के शायर फैज का शेर यहां सटीक बैठता है-सारे फसाने में जिसका जिक्र न था/वो बात उनको बहुत नागवार गुजरी। रही बात पुलिस की तो उसकी खाकी को खौफ का पर्याय बनाने में राजनेताओं का बड़ा हाथ है। ऐसे में उनसे संवेदनशीलता और समझदारी की उम्मीद बमुश्किल ही की जा सकती है।

सूक्ति

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।
- स्वामी भजनानंद

सबसे उत्तम विजय प्रेम की है जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बाँध लेती है।
-सम्राट अशोक

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तर दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

शेयर बाजार की गिरावट रोकने सेबी पर भरोसा जगाना होगा

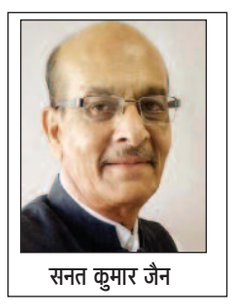

सनत कुमार जैन

पांच महीने से ज्यादा हो गए, शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से शेयर बाजार का फुग्गा फुलाया गया था, पिछले 5 महीने में तेजी के साथ उसकी हवा निकल रही है। शेयर बाजार में अभी तक निवेशकों को 95 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से बाहर निकलना शुरू किया। अब देसी निवेशक भी बड़ी संख्या में शेयर बाजार से शेयर बेचकर बाहर निकल रहे हैं। छोटे-छोटे देसी निवेशकों का मोह भी बुरी तरह से भंग हुआ है। शेयर बाजार को लेकर पहली बार निवेशकों में यह धारणा बनी है। संगठित रूप से उनके साथ लूट की जा रही है। जब हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय भारतीय शेयर बाजार की गड़बड़ियों को उजागर किया गया था। सेबी ने उसको संज्ञान में नहीं लिया। शार्ट सेलिंग के जरिए कैसे शेयर के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा जिस तरह की धोखाधड़ी शेयर बाजार में की जा रही थी। इसका खुलासा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुआ था। शॉर्ट सेलिंग के लिए अवैध रूप से विदेशी कंपनियों का धन शेयर बाजार में अवैधानिक रूप से लगाया गया था। इसका खुलासा होने के बाद सेबी ने कोई जांच नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने भी जांच में लीपापोती करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जिसके कारण विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से उठने लगा। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लाभ पर जिस तरीके से लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की वसूली की जा रही है, उसने भी निवेशकों का आकर्षण भारतीय शेयर बाजार से कम कर दिया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों पर टैक्स लगता है। कई देशों में इस तरह का टैक्स नहीं है। जिसके कारण कैपिटल गैन के कारण विदेशी निवेशकों का पलायन भारतीय शेयर बाजार से अन्य देशों के शेयर बाजार में निवेश होना शुरू हो गया है। पिछले 5 महीने में विदेशी निवेशकों ने 3 लाख करोड रुपए की बिकवाली की है, जिसके कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 15 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। कंसल्टेंसी और एकाउंटिंग से जुड़े अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैक्सेशन के कारण विदेशी निवेशकों का मोह भारतीय शेयर बाजार से भंग हो गया है। देसी निवेशक भी कैपिटल गेन टैक्स की वसूली से नाराज हैं। भारतीय निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकालकर सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। जिसके कारण बाजार में लगातार बिकवाली और गिरावट देखने को मिल रही है। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को विदेशी निवेशकों से कैपिटल गेन टैक्स की वसूली का प्रावधान तुरंत समाप्त करना चाहिए। 2024 के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कैपिटल गेन टैक्स की दर ढाई फीसदी से लेकर 5 फीसदी तक बढ़ा दिया गया था। बाजार नियामक संस्था सेबी की कार्यप्रणाली पर निवेशकों का भरोसा खत्म हो गया है। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर बड़े गंभीर आरोप हैं। वह जेपीसी के सामने प्रस्तुत नहीं हुई। केंद्र सरकार के संरक्षण और आरोपों की जांच नहीं होने से निवेशकों का विश्वास शेयर बाजार मे नही रहा। हाल ही में वित्तीय संस्थाओं द्वारा शेयर बाजार की गिरावट रोकने के लिए निवेश किया गया। वह बाजार में कुछ ही घंटे के अंदर बाहर निकल गया। निवेशकों के बीच बाजार से निकलने की होड़ लगी हुई है। शेयर बाजार से जुड़े निष्पक्ष अर्थशास्त्रियों का कहना है, सरकार को सेबी की कार्य प्रणाली को पारदर्शी बनाना होगा। सेबी के अधिकारियों को सजग और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार को हवा भरकर फुलाया जा रहा था। सेबी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी थी। सेबी ने आम निवेशकों के हित में काम नहीं किया। सरकार जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रही है, जिसके कारण निवेशकों को शेयर बाजार में भरोसा नहीं रहा।

मुद्दा: जलवायु कार्ययोजना की अनदेखी

सुरेश भाई

जलवायु परिवर्तन पर देश-विदेश में सम्मेलन और संवाद हो रहे हैं। इसके बावजूद ऐसी कोई ह्यजलवायु कार्ययोजना' नहीं है, जहां लोगों को जलवायु संकट से बचाया जा सके। देश के पूर्व, पश्चिम और मध्य हिमालय में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हो रही समस्याओं के विषय पर वैज्ञानिकों की सलाह को गंभीरता से समझना जरूरी है। मौसम विभाग भी सही जानकारी दे रहा है।

फरवरी के अंत से मार्च के प्रथम सप्ताह तक मौसम विभाग के अलर्ट में उत्तराखंडङ्क हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के 3000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के संकेत दिए गए थे। लेकिन इसके बाद जो सावधानी बरती जानी चाहिए थी उसमें गैर-जिम्मेदारी सामने आई है। उदाहरण है कि उत्तराखंड में सीमा क्षेत्र के पहले गांव माणा में सड़क चौड़ीकरण में लगे 55 मजदूरों का हिमस्खलन की चपेट में आना। वे बर्फ के नीचे दब गए। हेली सेवाओं,आईटीबीपी और सेना के 200 जवानों द्वारा 44 लोगों को बड़ी मुश्किल से रेस्क्यू किया जा सका। यदि मौसम विभाग द्वारा बताई गई सावधानियों के प्रति गंभीरता दिखाते तो इतने लोगों को बचाने में जो ऊर्जा खर्च हुई है और आठ लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई, उन्हें भी बचाया जा सकता था। बद्रीनाथ के पास स्थित माणा बाईपास के निर्माण में लगे मजदूरों को इस दौरान छुट्टी दे देनी चाहिए थी क्योंकि इस दौरान 10 हजार फीट की ऊंचाई पर मजदूरों के रहने लायक स्थितियां नहीं हैं, और उनसे काम भी नहीं करवाया जा सकता। समझना जरूरी है कि 2021-24 के बीच यहां आसपास हिमस्खलन की घटनाएं हो चुकी हैं। केदारनाथ में 2013 की आपदा के बाद से चोराबाड़ी ग्लेशियर से हिमस्खलन की घटनाएं थम नहीं रही हैं। माणा में जहां मजदूरों को रात में रहने की व्यवस्था थी वहां पर पहले भी हिमस्खलन हुआ है। ध्यान देना जरूरी है कि वर्षा और बर्फबारी का समय बिल्कुल बदल चुका है जिससे ग्लेशियरों की सतह कमजोर पड़ रही है। शीतकाल के समय तापमान बढ़ रहा है। दिसम्बर-जनवरी में दोपहर के समय केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्र में तापमान 12-16 डिग्री तक दर्ज किया गया है। पिछले वर्षों में भी जनवरी में दोपहर का तापमान 20 डिग्री तक पहुंचा है। यही स्थिति केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ के ग्लेशियरों की है जिसके कारण बेमौसमी बर्फ पिघलने की गति बढ़ती जा रही है।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिक ड़ॉ. मनीष मेहता के अनुसार पहले दिसम्बर-जनवरी में गिरने वाली बर्फ शुष्क होती थी जिससे हिमस्खलन कम होता था और यह बर्फ ग्लेशियर पिघलाने की गति को भी कम करता था। लेकिन कुछ वर्षों से मौसम में बदलाव होने से नवम्बर-जनवरी तक बर्फबारी बहुत कम हो गई है। फरवरी-मार्च में पड़ने वाली बर्फ बढ़ते तापमान के कारण जम नहीं पाती है। माणा में हिमस्खलन का कारण भी यही बताया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से बद्रीनाथ के ग्लेशियरों से लगातार एवलांच की घटनाएं हो रही हैं। भू-वैज्ञानिक एसपी सती ने 2021 में चिपको नेत्री गौरा देवी के गांव रैणी के निकट हिमस्खलन की घटना के बाद इस घाटी के संवेदनशील बर्फ वाले इलाके चिन्हित किए थे जहां हिमस्खलन की आशंका है। माणा के पास मजदूरों का कैंप भी इसी तरह के क्षेत्र में स्थित था। लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। पुराने समय में यहां मानवीय आवाजाही कम थी। कहा जाता है कि बद्रीनाथ धाम में बर्फ की चोटियों में कंपन न हो, इसलिए मंदिर में शंख नहीं बजता था। लेकिन अब इसी क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां इतनी बढ़ गई हैं कि बद्रीनाथ मास्टर प्लान के तहत सड़क निर्माण में तेज ध्वनि करने वाली जेसीबी मशीनों का प्रयोग हो रहा है। अंधाधुंध हेली सेवाएं जारी हैं। जलवायु नियंत्रित करने वाले वनों का तेजी से क्षरण हो रहा है, जिसका ग्लेशियरों पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। बद्रीनाथ में नीलकंठ, नरनारायण, कंचन गंगा, सतोपंथ, माणा और कुबेर पर्वत स्थित है। अन्य चोटियां भी हैं, जो बर्फ से ढकी रहती हैं।

यहां जो निर्माण हो रहा है उसका प्रभाव बढ़ते तापमान से साफ नजर आ रहा है। लोग कहते हैं कि सदियों पूर्व बद्रीनाथ मंदिर का जब निर्माण हुआ तो स्थानीय और लोक विज्ञान के पहलू को ध्यान में रखते हुए मंदिर बनाया गया था। इसी दौरान गंगोत्री के पास हर्षिल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शीतकाल यात्रा का संदेश देने के लिए पहुंचना था जिसे मौसम के कारण 6 मार्च के लिए बदला गया। हिमाचल में भी भारी भूस्खलन के चलते 480 सड़क बंद रहीं। जगह-जगह पर आठ लोगों की मौत हुई। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित होने के कारण हजारों लोग फंसे रहे। जलवायु परिवर्तन की ऐसी घटनाएं भविष्य में और बढ़ सकती हैं। इसलिए साल भर में जलवायु का कैलेंडर बनना चाहिए। पेड़-पौधे, जीव-जंतु, जल संरक्षण की दिशा में प्रयास करने होंगे। शीतकालीन सैलानी, पर्वतारोही मौसम की अनदेखी न करें। मनुष्य को अपने लालच की योजनाओं पर नियंत्रण करके प्रकृति को बचाने की दिशा में एकजुट प्रयासों को महत्त्व देना होगा।

युवाओं के सहयोग से दिल्ली को बनाएंगे नशामुक्त : रविन्द्र इंद्राज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के अलीपुर स्थित स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के वार्षिकोत्सव 'श्रद्धा तरंग' में बुधवार को समाज कल्याण, एससी एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा की देश की दिशा, युवा निर्धारित करते हैं। आप सभी दिल्ली को बेहतर बनाने और 'विकसित भारत-विकसित दिल्ली' संकल्प को पूरा करने के लिए सुझाव दें। दिल्ली को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य युवाओं के सहयोग से ही पूरा हो सकता है। युवाओं के सहयोग से दिल्ली को नशामुक्त बनाएंगे। स्वामी श्रद्धानंद को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी जी का कहना था की देश को 'सेवकों की जरुरत है, नेताओं की नहीं।' आज कॉलेज के इस कार्यक्रम में आकर उन्हें जो दिव्य अनुभूति हो रही है उसे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। इस कॉलेज की आधारशिला रखने वालों में मेरे पिता भी शामिल रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण गर्ग सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

दिल्ली में तेज हवाओं के बीच गिरा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह तेज हवाएं चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई। बुधवार को दिन भर 20-40 किलो मीटर के बीच हवाएं चलीं। इससे अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम था। जबकि न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम था। गुरुवार के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में 20 से 30 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और दोपहर बाद हवा की गति धीमे हो जाने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। हालांकि इस बीच अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूर्वानुमान संबंधी निजी एजेंसी 'स्काईमेट वेदर' के मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन उपाध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा बर्फीले पहाड़ों से ठंडी हवाएं छह मार्च तक दिल्ली और अन्य क्षेत्रों से होकर गुजरेंगी, जिससे राजधानी में सर्दी बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को नमी का अधिकतम स्तर 70 फीसद तथा न्यूनतम स्तर 24 फीसद दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 108 दर्ज किया और शाम 4 बजे यह 119 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली में इमारत गिरने से दो घायल, फायर सर्विस अधिकारी ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के जी.बी. रोड पर बुधवार को एक इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से दो लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि उन्हें अपराह्न दो बजकर 32 मिनट पर एक इमारत का हिस्सा ढहने की सूचना मिली और बचाव दल को मौके पर भेजा गया। डीएफएस के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि एक महिला और एक पुरुष इसमें घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

पहचान बदलकर सालों से दिल्ली में रह रही महिला नक्सली गिरफ्तार, खतरनाक हथियार चलाने में माहिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने झारखंड की वांछित महिला नक्सली को गिरफ्तार किया है। यह महिला पिछले कई सालों से अपनी पहचान छिपाकर दिल्ली में रह रही थी और घरेलू कामकाज कर रही थी। 4 मार्च 2025 को क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि महिला नक्सली पीतमपुरा इलाके में रह रही है और वहीं नौकरी कर रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने छापा मारा और महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक इस नक्सली महिला को बचपन में ही उसके गांव के एक नक्सली ने अपने साथ ले लिया था और अच्छी जिंदगी का झांसा देकर उसे नक्सली संगठन में शामिल कर लिया। 2016 में नक्सली संगठन 'सीपीआई माओवादी' से जुड़ गई थी। वहां उसे पांच साल तक सख्त ट्रेनिंग दी गई, जिसमें हथियार चलाना, गुरिल्ला युद्ध और बम बनाना सिखाया गया। वह एसएलआर, इंसास राइफल, एलएमजी, हैंड ग्रेनेड और .303 राइफल जैसे खतरनाक हथियार चलाने में माहिर हो गई थी। तीन एनकाउंटर में रही शामिल। इस महिला का झारखंड पुलिस से तीन बार सामना हो चुका है।

मालीवाल ने केजरीवाल पर कसा तंज, कहा-काफिला ट्रंप से भी बड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का काफिला ट्रंप से भी बड़ा है। मालीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने कहा कि जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल आज खुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पंजाब जैसे महान सूबे को अपने ऐश-ओ- आराम के साधन का जरिया बना लिया है।

बजट तैयार करने से पहले महिला संगठनों की सीएम ने सुनीं मन की बात, 2500 रुपये मिलेंगे यह भी किया आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में नवगठित बीजेपी सरकार अब विधानसभा में अपना बजट पेश करेगी। नए वित्त वर्ष (2025-26) के लिए बजट बनाने में सरकार जुटी हुई है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अलग-अलग वर्ग के लोगों से बजट तैयार करने में सुझाव देने की अपील की थी, आज दिल्ली की महिलाओं को उन्होंने विधानसभा परिसर में खास तौर से आमंत्रित किया और उनके सुझावों को ध्यान से सुनीं।

स्कूलों में प्रदान की जाएगी नैतिक शिक्षा: नई सरकार के बजट में दिल्ली की महिलाएं क्या सुझाव देना चाहती हैं, इस पर उन्होंने अपनी राय दी। तमाम महिलाओं ने जो सुझाव दिए उसे मुख्यमंत्री ने नोट भी किया और उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस बजट में शामिल करने पर जरूर विचार करेंगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं ने जो नैतिक शिक्षा स्कूलों में दिलाने की बात कही है, उसकी वह खुद व्यवस्था करेंगीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं से भी अपील की है कि वह घर में बच्चों को मोरल एजुकेशन दें। इसकी जिम्मेदारी भी वह स्वयं लें। महिला सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है इसमें किसी भी सूरत में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दिशा में अब तक जो कदम उठाए गए उससे अतिरिक्त और क्या बेहतर हो सकता है इस सरकार फैसला लेगी।

संगठनों से विकसित दिल्ली बजट पर चर्चा: रेखा गुप्ता ने कहा, आज का हमारा ये विकसित दिल्ली बजट के लिए महिला संगठनों से चर्चा हुई। दिल्ली के हर वर्ग से महिला पहुंची थीं। सुरक्षा, शिक्षा और महिला के जरूरती मुद्दों पर चर्चा हुई। दिल्ली की महिलाओं को महिला मुख्यमंत्री से अपेक्षाएं है। जो-जो क्षेत्र जहां दिल्ली की सरकार को काम करना चाहिए उस पर चर्चा की गई। लोगो को विश्वास दिलाना चाहती हूं कि उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरेंगी। अगले तीन दिन सभी वर्गों के लोगो से बातचीत, कल व्यापार से जुड़े लोगों को बुलाया गया है आज शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी संवाद करनी है। वे खुद झुग्गी जाएंगी और लोगो से बात करेंगीं। दिल्ली का बजट जनता से जुड़ा होगा। हमने अपने संकल्प पत्र में जो वादा किया है वो पूरा होगा। 2500 रुपए भी मिलेंगे किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं।

सीएम 24 घंटे सातों दिन रहेंगी उपलब्ध: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तमाम महिलाओं से कहा कि उन सबके साथ मिलकर काम करना है। महिला सम्मान के लिए वह 24 घंटे सातों दिन वे उपलब्ध रहेंगी। शिक्षा, स्वास्थ्य महिलाओं से संबंधित अन्य समस्याएं पर जो भी सुझाव मिले हैं उन सब पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को लेकर पार्टी ने चुनाव में जो वादे किए थे, विकसित दिल्ली का संकल्प लिया था, वह हर संकल्प को सरकार पूरा करेगी। चाहे 2500 रुपये प्रतिमाह महिलाओं को देने का हो या अन्य घोषणाएं। अब एजेंडा हमारा चलेगा उनका नहीं। किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं कि चार दिन बचे हैं, तीन दिन बचे हैं।

दिल्ली की महिलाओं से बीजेपी सरकार के वादे....

-घरेलू महिला कामगारों को 6 महीने की पेड मैटरनिटी लीव।

-गरीब महिलाओं को महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपये की मासिक सहायता।

-गर्भवती महिलाओं को मुख्यमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत ?21,000 की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट।

-500 रूपये में एलपीजी गैस सिलेंडर और होली-दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने आई महिलाओं ने बजट को लेकर दिए यह सुझाव....

-रेप केस को रोकने के लिए लड़कों को दी जाए नैतिक शिक्षा। हर स्कूल में एक क्लास लड़कों के लिए जरूर होनी चाहिए।

-कोर्ट में महिला अपराध से जुड़ें मामले की सुनवाई जल्दी हो,

-सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएं।

-महिलाओं की सुरक्षा के लिए रात में 9 बजे के बाद पीसीआर की गश्त बढ़नी चाहिए।

-होनहार बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए।

-दिव्यांग महिलाओं के लिए बसें आई हैं, लेकिन उसमें चढ़ने नहीं दिया जाता, पेंशन बढ़ाने पर सरकार विचार करें।

-फ्री स्कीम बंद कर दी जाए, हमें शिक्षित और रोजगार दी जाए।

-स्कूली बच्चों को दी जाने वाली मिड डे मील में मीलेट दिया जाए।

-आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब महिलाओं को विशेष सुविधा दी जाए।

-चौराहों पर भिक्षावृति की रोक लगाई जाए।

-मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज़ पर गायनी क्लीनिक खोले जाए।

-घरेलू हिंसा की रोकथाम के उपाय।

-बजट में जो भी सुविधएं दी जाए उसमें कागजी कार्रवाई को कम किया जाएं।

-बेटियों की सम्मान और सुरक्षा पर ध्यान दी जाए।

-एआई शिक्षा महिलाओं को दिलाने की योजना हो, महिलाओं को कौशल विकास करने में ध्यान दिया जाए।

-कोरोना के दौरान जो महिला अपने पति को खो चुकीं हैं अकेली राह गयी उनको बच्चों की फीस देने में परेशानी हो रही है। इसकी व्यवस्था की जाए।

-वर्किंग मदर्स के लिए हर पुलिस स्टेशन में एक क्रेच बनाया जाए।

दिल्ली में क्राइम ब्रांच ने महिला नक्सली को किया गिरफ्तार, झारखंड पुलिस से कर चुकी 3-3 मुठभेड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने झारखंड की वांछित महिला नक्सली को गिरफ्तार किया है। महिला आरोपी दिल्ली में पहचान बदलकर रह रही थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला आरोपी की उम्र 23 वर्ष है। और झारखंड की रहने वाली है।

डीसीपी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एक टीम एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले माओवादी, चरमपंथियों से संबंधित एक गुप्त सूचना पर काम कर रही थी। मंगलवार को, टीम को एक माओवादी चरमपंथी के बारे में जानकारी मिली, जो माओवादी नक्सली समूह का सदस्य है। क्राइम ब्रांच को यह पता चला कि महिला नक्सली अपनी असली पहचान छिपाकर पीतमपुरा इलाके में रह रही है। इस जानकारी के बाद, आरोपी महिला को पकड़ लिया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी के मुताबिक, आरोपी महिला झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुदाबुरू गांव की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार, उस समय, शिविर में 300-450 व्यक्ति रहते थे, जिनमें 40-50 महिलाएं, उसकी उम्र के 4-5 बच्चे शामिल थे। गिरफ्तार महिला आरोपी अपने समय के दौरान, पांच साल तक कठोर और गहन प्रशिक्षण लिया, जहां उसे एक प्रशिक्षित नक्सली के रूप में तैयार किया गया। पूछताछ के अनुसार, यह पता चला है कि उसने एसएलआर, इंसास, एलएमजी, हैंड ग्रेनेड सहित अन्य अत्याधुनिक हथियारों को संभालने का व्यापक प्रशिक्षण लिया था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह के साथ पैदल गश्त के दौरान, महिला आरोपी इंसास राइफल लेकर चलती थी। 2018 में, उसने कोल्हान में झारखंड पुलिस के साथ मुठभेड़ में भाग लिया, इसके बाद 2019 में पोराहाट और 2020 में सोनुआ में अपने कंपनी कमांडर के साथ इसी तरह की मुठभेड़ में शामिल रही। अपने गुट के कमांडर के निर्देश पर वह दिल्ली चली गई। 2020 में दिल्ली पहुंचने पर, उसने अपनी असली पहचान छिपाई और नोएडा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में एक हाउस क्लीनर के रूप में काम करना शुरू कर दिया। फिलहाल, वह पीतमपुरा इलाके में बस गई, जहाँ वो गुप्त रूप से रह रही थी।

दिल्ली में कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और उसमें मिली करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें फिर से शुरू कर दी हैं। इससे जमीनी स्तर पर पार्टी को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के कारण पिछले कुछ महीनों से यह बैठकें नहीं हो पाई थी, लेकिन जब ये बैठकें फिर से शुरू हुईं तो कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि 2 मार्च को 258 ब्लॉक और बुधवार, 5 मार्च को 14 जिलों में आयोजित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठकों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इन बैठकों में पूर्व सांसदों, दिल्ली के पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, पूर्व और वर्तमान नगर निगम पार्षदों और पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ब्लॉक एवं जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकों में दिए गए सुझावों एवं विचारों को ध्यान में रखते हुए पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी जब जमीनी स्तर पर पार्टी को पुनर्जीवित करने के अभियान पर निकलेगी तो हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान संगठन की ताकत एवं कमजोरियों पर ध्यान देंगी। पार्टी को मजबूत करने के लिए जहां भी आवश्यक होगा, बदलाव किए जाएंगे।

कांग्रेस करेगी जनता की आवाज बुलंद-देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस, एक जिम्मेदार विपक्षी पार्टी के रूप में, दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा न करने और विकास कार्यों को फिर से शुरू करने में असफल रहने पर जनता की आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने 15 साल के शासनकाल में दिल्ली को दुनिया के बेहतरीन शहरों में शामिल करने के लिए जो विकास कार्य किए थे, उन्हें केजरीवाल सरकार के 11 वर्षों के कुशासन ने नष्ट कर दिया। अब लोग भाजपा सरकार से राजधानी की पुरानी प्रतिष्ठा बहाल करने की उम्मीद हैं, जिसे दिल्ली कांग्रेस बारीकी से मॉनिटर करेगी।

भाजपा को करना होगा अपना वादा पूरा-दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार को खोखले भाषणों के सहारे नहीं छोड़ दिया जाएगा, बल्कि उसे जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए मजबूर किया जाएगा। सबसे पहले, भाजपा सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार, राजधानी की प्रत्येक महिला के खाते में हर महीने 2500 रुपए जमा करने और रुकी हुई जनकल्याणकारी पेंशनों का वितरण फिर से शुरू करने का वादा पूरा करना चाहिए। बता दें कि लंबे समय बाद कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 पूरे दमखम के साथ लड़ा, लेकिन चुनाव नतीजे आशानुरूप नहीं आए। यहां तक कि चुनाव में वोट फीसद दहाई अंक तक भी नहीं पहुंचा। सभी प्रत्याशी चुनाव हार गए थे।

बीजेपी को अपना फोकस दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने पर करना चाहिए : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा काफिले को लेकर बीजेपी पर पलटवार किया है और कहा कि बीजेपी को गंदी राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को लेकर खतरे की आशंका के चलते गृह मंत्रालय ने उन्हें 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई है।

उन्होंने कहा, 'बीजेपी को गंदी राजनीति छोड़कर दिल्ली से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। अरविंद केजरीवाल को सुबह-शाम गाली देने से कुछ नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली की जनता को डेडलाइंस दी थी, चाहे 8 मार्च की हो या होली की हो, बीजेपी को अपना फोकस वहां लेकर जाना चाहिए और दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए।'

प्रवेश वर्मा के दावे का प्रियंका कक्कड़ ने खंडन किया

जब उनसे सवाल पूछा गया कि बीजेपी के विधायक और मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया था कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद अरविंद केजरीवाल पंजाब का रूख करेंगे, वहां अपने लिए पद तलाशेंगे, राज्य सभा जा सकते है या मुख्यमंत्री भी बन सकते हैं। इस सवाल का प्रियंका कक्कड़ ने खंडन करते हुए कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है।

'केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जाएंगे और ना सीएम बनेंगे'

आप प्रवक्ता ने आगे कहा, 'अरविंद केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जा रहे हैं और न ही पंजाब के सीएम बन रहे हैं। मैं बीजेपी को कहना चाहूंगी कि अफवाह फैलाने से बचें, झूठे आरोप लगाने से बचें। जो आपने दिल्ली की जनता से वादे किए थे, उन पर फोकस करें।'

केजरीवाल के काफिले का वीडियो वायरल

दरअसल 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब के होशियारपुर पहुंचे हैं। इस दौरान केजरीवाल के काफिले का वीडियो वायरल हो गया है। केजरीवाल के काफिले को लेकर बीजेपी के नेता और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने तंज कसा है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल को जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है।

सड़कों पर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे वाहनों के खिलाफ चलाया जाएगा सघन अभियान : पंकज सिंह

-डीटीसी को घाटे से उबारने के लिए रोडमैप तैयार करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, दिल्ली सरकार परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने दिल्ली की सडकों पर बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन), एमडी दिल्ली मेट्रो के साथ परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीयों ने भाग लिया। मंत्री ने सार्वजानिक परिवहन के साथ कमर्शियल वाहनों की लाइव ट्रैकिंग प्रणाली की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाइव ट्रैकिंग को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक के दौरान अधिकारीयों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से माननीय मंत्री को ई-चालान प्रणाली, पुराने वाहनों को हटाने, एआई तकनीक के उपयोग और इलेक्ट्रिक वाहन नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों से अवगत कराया। मंत्री ने दिल्ली की सडकों पर वाहनों के अतिक्रमण

रोकने के लिए सख्त अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि 'हमारा लक्ष्य 'विकसित दिल्ली' का निर्माण करना है, जिसके लिए अगले 100 दिनों के रोडमैप पर कार्य किया जाएगा। ÷ उन्होंने परिवहन विभाग के एनफोर्समेंट विंग में दिल्ली में जाम की समस्या को देखते हुए वाहनों के चेकिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को सडकों पर उतारने का निर्देश दिया। बैठक में ई-चालान प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए, उन्होंने बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के सडकों पर चल रहे पेट्रोल, डीजल, एवं सीएनजी वाहनों पर नियमों के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, ऐसे पेट्रोल पंप संचालकों पर भी कार्रवाई करने को कहा जो इन अनफिट वाहनों को ईंधन देते हैं। माननीय मंत्री ने कहा कि यह बात संज्ञान में आई है कि भारी वाहनों द्वारा स्लिप रोड का उपयोग किया जाता है जिनपर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। इस विषय पर माननीय मंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 'ऐसे ट्रक चालकों पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है।' इसके अतिरिक्त, दिल्ली के परिवहन मंत्री ने डीटीआईडीसी के प्रभावी वित्तीय प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लक्ष्यों की समीक्षा कर अप्रैल 2025 से लागू होने वाली नई नीति पर पुनः कार्य करने का निर्देश दिया। मंत्री ने मुकुंदपुर से मोजपुर, आर.के. आश्रम से जनकपुरी पश्चिम और एरोसिटी से तुगलकाबाद तक नई मेट्रो लाइनों की प्रगति की भी समीक्षा की और इनके शीघ्र पूरा होने पर जोर दिया।

जन-जन का विश्वविद्यालय है इग्नू : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) परिसर में बुधवार को 38वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर तीन लाख से अधिक छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऑनलाइन संदेश मे कहा कि इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज इग्नू 3.17 लाख से अधिक छात्रों की सफलता का जश्न मनाया जा रहा है, जो विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे अधिक है। 1985 में अपनी स्थापना के बाद से इग्नू ने शिक्षा को किफायती, लचीला और समावेशी बनाकर, इसमें क्रांति ला दी है। 35 लाख से अधिक शिक्षार्थियों और 58 देशों में एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति के साथ इग्नू दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। वहीं, समारोह में मुख्य अतिथि आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रो. पवन कुमार सिंह ने उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल ने बताया कि अग्निवीरों के लिए विशेष रूप से पांच कौशल-आधारित स्नातक डिग्री कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इनमें 5000 से अधिक अग्निवीरों का नामांकन किया गया है। विश्वविद्यालय

लगातार नए शैक्षणिक कार्यक्रम जोड़ रहा है और नए शिक्षार्थी वर्गों तक पहुंच बना रहा है। 2024 में कुल 47 नए कार्यक्रम शुरू किए गए, जिससे कार्यक्रमों की कुल संख्या 334 हो गई। विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

छात्रों से अधिक छात्राओं ने प्राप्त की डिग्री

दीक्षांत समारोह में कुल 3,17,062 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें से 1,68,711 छात्राएं और 1,45,472 छात्र हैं। स्नातक में 1,33,082 और परास्नातक में 1,34,385 अभ्यर्थियों को डिग्री मिली। 33,603 को डिप्लोमा, 16,017 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट, 92 को पीएचडी और दो को एमफिल की डिग्री प्रदान की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर को राष्ट्रपति ने प्रदान किया अनुसंधान पुरस्कार

-विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता पैदा करने में कुलपति प्रो. योगेश सिंह की रही है अहम भूमिका- प्रो. रीना चक्रवर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्कृष्ट नवाचार, अनुसंधान कार्य और प्रौद्योगिकी विकास के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की एक प्रोफेसर को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुरस्कृत किया गया है। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में 3 मार्च को आयोजित समारोह में 8वें विजिटर्स अवार्ड, 2023 प्रदान किए थे। जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान पुरस्कार इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर (डॉ.) रीना चक्रवर्ती को प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार 2015 से भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार मिलता है। इस पुरस्कार के लिए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने उन्हें बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य ऐसे शोध को बढ़ावा देना होना चाहिए जो राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दें।

विदित रहे कि डॉ. चक्रवर्ती ने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग में लेक्चरर के रूप में ज्वाइन किया था। वर्तमान में वह एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं और विभागाध्यक्ष का पद संभाल रही हैं। प्रो. चक्रवर्ती ने अपने नियमित कार्यभार के अलावा मछली पालन में उन्नत अनुसंधान करने के लिए एक परिष्कृत अनुसंधान प्रयोगशाला विकसित करने का प्रयास किया। इस उद्देश्य के लिए, विश्वविद्यालय से वित्तीय सहायता के अलावा, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान प्राप्त किया। प्रो. चक्रवर्ती ने कहा कि विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता पैदा करने में कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अहम भूमिका रही है। विभाग में चल रहे शोध का अवलोकन करने के लिए कुलपति समय-समय पर विभाग का दौरा करते रहते हैं और संकाय सदस्यों के साथ-साथ शोध छात्रों से भी बातचीत कर के उन्हें प्रेरित करते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि डीयू को यह पुरस्कार मिला है।

प्रो. चक्रवर्ती का शोध योगदान

प्रो. रीना चक्रवर्ती ने बताया कि मछली की खपत में काफी वृद्धि हुई है, लेकिन अंतर्देशीय मछली पालन के लिए जगह और पानी एक सीमित कारक रहा है। किचन गार्डन या रूफ टॉप गार्डन की तरह, उन्होंने और उनकी टीम ने इन-हाउस माइक्रो-क्लाइमेट कंट्रोलिंग सिस्टम तैयार किया है, जहाँ पानी और जगह की न्यूनतम उपलब्धता के साथ साल भर विभिन्न प्रकार की मछलियां पाली जा सकती हैं। यह रिसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS) पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी है। एक्वाकल्चर अपशिष्ट को विभिन्न बायो-फ़िल्टर के साथ हटा दिया जाता है और सिस्टम में फिर से उपयोग किया जाता है। ऐसे बायोफिल्टर में से एक कुछ पौधे की प्रजातियाँ हैं जिनका उपयोग पत्तेदार सब्जियों के रूप में भी किया जाता है। इसे एक्वापोनिक्स सिस्टम के रूप में जाना जाता है, जिसने मछली पालकों को अतिरिक्त आय प्रदान की। मछली पालन में फीड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फ़ीड की पसंद न केवल मछलियों के प्रकार के साथ बदलती है, बल्कि उनकी उम्र के साथ भी बदलती है। चक्रवर्ती ने बताया कि उन्होंने कुछ अनूठी जड़ी-बूटियों के साथ मछली-आयु विशिष्ट फ़ीड विकसित की है जो न केवल उनकी वृद्धि को बढ़ाएगी बल्कि उनकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाएगी।

शोध का प्रभाव

प्रो. चक्रवर्ती और उनकी टीम ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में किसानों के तालाबों में कई किसान-वैज्ञानिक संपर्क कार्यक्रम और क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित किए हैं, ताकि उनके अभ्यासों के पैकेज का प्रसार किया जा सके।

होली से पहले बिहार में 12 अवैध देशी शराब की भट्ठियों को खत्म किया

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद होली पर अवैध शराब कारोबारियों की सक्रियता को देखकर पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोन नदी के तटीय क्षेत्र में छापेमारी कर करीब 12 अवैध देशी शराब की भट्ठियों को खत्म किया है। इस कार्रवाई में शराब बनाने के सभी उपकरणों को जब्त कर आग के हवाले कर दिया। साथ ही अर्ध निर्मित शराब को भी नष्ट किया गया। पुलिस की सूचना मिलते ही शराब माफिया सोन नदी के रास्ते फरार हो गए। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि सोन नदी के इलाके में अवैध रूप से देशी शराब की भट्ठियां चल रही हैं। इस पर थाना प्रभारी ने तीन टीमें गठित कर छापेमारी की थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को कई शराब भट्ठियां चलते हुए मिलीं। इधर, पूरे मामले पर पुलिस अधिकारी ने बताया कि होली को लेकर अवैध शराब के खिलाफ अभियान चल रहा है। सोन नदी के किनारे पुलिस काफी कम पहुंच पाती है। इसकारण शराब माफिया अपना साम्राज्य कायम किए हुए थे। लेकिन, पुलिस लगातार अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। करीब हजारों लीटर अंग्रेजी शराब को नष्ट किया गया है। कई शराब के भट्ठियों को ध्वस्त किया गया है।

राहुल गांधी के मामले में कोर्ट में दाखिल हुआ वकालतनामा

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर वाद के मामले में उनके वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी बुधवार को बरेली पहुंचे। लखनऊ से आए वकीलों ने कोर्ट में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए के विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकीलों ने जवाब देने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने दो अप्रैल की तारीख दी है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया गया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से जून 2024 में निजी कोर्ट में अर्जी दी गई थी, जिसमें राहुल गांधी के बयान से भावनाएं आहत होने का आरोप लगाकर मुकदमा कायम करने की अपील की गई थी। उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने रिवीजन याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसकी निगरानी स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में चल रही है। मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके हैं। विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि समन पर राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए। पिछली तारीख पर उनके वकील द्वारा यह दलील दी गई कि राहुल गांधी के खिलाफ जो समन भेजे गए हैं, वो तामील हो गए हैं। डाक से स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट दाखिल की गई थी। जिसके बाद बुधवार को राहुल गांधी के वकीलों ने वकालतनामा दाखिल किया है।

बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश की 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण में पुलिस के साथ एक एनजीओ ने विभिन्न जगहों पर ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया गया है। सभी लड़कियां बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जिन्हें एलबम में काम करने के नाम पर लाया गया था। इन लड़कियों को आर्केस्ट्रा में डांस कराया जाता था। मामले में एनजीओं ने संचालकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवेदन दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रेस्क्यू की गई लड़कियों को सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान एलबम में काम कराने के बहाने पटना बुलाया गया। फिर एक दो एलबम में डांसर के रूप में काम करवाया गया। फिर आर्केस्ट्रा में पैसे का लालच देकर डांस कराया जाने लगा। ये सभी गरीब परिवार से हैं। मजबूरी में इन्हें आर्केस्ट्रा में काम करना पड़ रहा था। एनजीओ संचालक ने बताया कि जिले के तीन थाना क्षेत्र से 14 लड़कियों को रेस्क्यू किया है, इसमें अधिकतर लड़कियां उत्तर प्रदेश और बंगाल की रहने वाली हैं। यहां काम कर रहीं नाबालिग लड़कियों के बारे में सूचना मिली थी।

मिजोरम में बीयर बिक्री की इजाजत दे सकती है सरकार

आईजोल (एजेंसी)। मिजोरम राज्य में फल और चावल से बनी शराब और बीयर की बिक्री की अनुमति दी जा सकती है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, सीएम ने साफ कहा कि मौजूदा शराबबंदी कानून को हटाने के बारे में वह नहीं सोच रहे हैं। मिजोरम की जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार बुधवार को शराब और बीयर पर संशोधन बिल लाने जा रही है। विभागीय मंत्री लालनगिहलोवा हमार उस बिल पेश करेंगे, जिसमें राज्य के भीतर उत्पादन होने वाले चावल और फल से बनी शराब और बीयर की बिक्री, वितरण और निर्माण की अनुमति देने का प्रस्ताव है। यह केवल लाइसेंस धारकों के लिए होगा। साथ ही यह बिल राज्य में पारंपरिक मिजो शराब की बिक्री की भी इजाजत देगा। सीएम ने विधानसभा में 2025-26 के बजट को पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार शराब की दुकानों को खोलने की इजाजत नहीं देगी, लेकिन राज्य में स्थानीय रूप से उत्पादित शराब और बीयर की बिक्री को नियंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर चर्चों से परामर्श लिया गया है और उन्होंने इस फैसले पर अपनी सहमति दी है। सरकार ने मार्च 2024 में विधानसभा में यह जानकारी दी थी कि वह राज्य के शराब प्रतिबंध कानून की समीक्षा करेगी, जो राज्य में शराब की बिक्री और खपत को प्रतिबंधित करता है। कई क्षेत्रों से शराब प्रतिबंध को हटाने और शराब की दुकानों को खोलने की मांग उठ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ऐसी अपीलों पर विचार नहीं करेगी। बता दें कि 2019 में मिजोरम में शराब पर प्रतिबंध फिर से लागू किया गया था। इससे पहले भी राज्य में शराब प्रतिबंध थे। 1984 में मिजोरम निषेध अधिनियम, 1973 के तहत शराब की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई थी, लेकिन 1987 में उन्हें बंद कर दिया गया था।

उद्धव ठाकरे ने अबू आजमी के स्थायी निलंबन की मांग की, अखिलेश यादव को भी दे डाली नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने औरंगजेब के संबंध में अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी की आलोचना की और राज्य विधानसभा से उनके स्थायी निलंबन की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें स्थायी रूप से निलंबित किया जाना चाहिए। यह सिर्फ बजट सत्र के लिए नहीं होना चाहिए, निलंबन स्थायी होना चाहिए। इससे पहले दिन में, अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष ने निलंबित कर दिया था।

इस बीच, ठाकरे ने अपने निलंबन पर आपत्ति जताने वाले विधायक अबू आजमी का समर्थन करने के लिए यूपी के पूर्व सीएम और एसपी प्रमुख अखिलेश यादव की भी आलोचना की। उन्होंने अखिलेश यादव से कहा कि अगर वे चाहें तो आजमी को यूपी से चुनाव लड़वा दें, क्योंकि पूरे महाराष्ट्र ने उनके बयान पर आपत्ति जताई है। मीडिया से बात करते हुए, ठाकरे ने अखिलेश पर हमला किया और कहा, ÷अगर वह आपत्ति करना चाहते हैं तो उन्हें आपत्ति करने दें। पूरे महाराष्ट्र ने उनके खिलाफ आपत्ति जताई है। अगर वह चाहते हैं, तो उन्हें वहां (यूपी) से चुनाव लड़ना चाहिए। वह सच्चाई नहीं जानते हैं।÷

शिव सेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर कोई औरंगजेब की प्रशंसा करता है या छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करता है, तो उस व्यक्ति के लिए भारत या महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। अबू आजमी बीजेपी की बी टीम हैं। उन्होंने कहा कि जब भी बीजेपी महाराष्ट्र में मुसीबत में आती है, वे अबू आजमी को सक्रिय करते हैं। पिछले सत्र में यही हुआ था। महाराष्ट्र में बीजेपी मुसीबत में आ गई, इसलिए उन्होंने अबू आजमी को सक्रिय किया। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए निलंबन पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने लिखा कि निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा। हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेख़ौफ़ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि 'निलंबन' से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच का बचपना है। आज़ाद ख़्याल कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

योगी ने अबू आजमी को बुलाया यूपी, मैं करता हूं उनका इलाज

मुंबई। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के बाद महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी को पूरे बजट सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र का बजट सत्र 3 को शुरू होकर 26 मार्च को खत्म होगा। महाराष्ट्र सरकार में संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सदन में एक प्रस्ताव पेश कर कहा कि आजमी ने जो टिप्पणी की, उससे सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, इसकारण उनकी सदस्यता को बजट सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव को सदन में अध्यक्ष ने पारित कर दिया।

उधर यूपी बजट सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विधान परिषद में अबू आजमी के बयान का जिक्र किया। योगी ने कहा कि भारत की आस्था को रौंदने वाले का महिमामंडन करने वाले सदस्य को सपा से बाहर निकाल देना चाहिए। उन्हें (अबू आजमी) यहां बुलाइए। उत्तर प्रदेश इसतरह के लोगों का उपचार करने में देर नहीं करता।

उमर के विधायक का जागा पाकिस्तान प्रेम, कश्मीर समस्या के हल के लिए बात करें

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और खानयार से विधायक अली मोहम्मद सागर ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है।

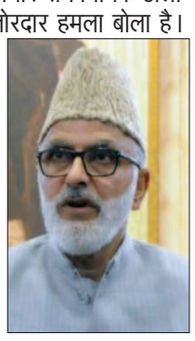

उन्होंने कहा कि कश्मीर समस्या का हल निकालने के लिए पाकिस्तान को बातचीत में शामिल करना जरूरी है। विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर विधायक सागर ने कहा कि बीजेपी खुद को देश का ठेकेदार समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों को कभी इख्वानी कहा जाता था, उन्हें अब बीजेपी की फौज बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी असली पहचान तभी बनेगी जब वे सही फैसला लें। सागर ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता ने उमर और फारूक अब्दुल्ला के पक्ष में जनादेश दिया है। उन्होंने पूछा कि अगर चुनाव सही तरीके से हुए, तब यह भी माना जाना चाहिए कि वहां जीतकर कौन आया है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह धर्म के नाम पर लोगों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर बच्चा अब बीजेपी की राजनीति को समझ चुका है और उस पर हंस रहा है। वहीं सागर के बयान पर बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान दुखद हैं।

मोदी सरकार सहकार से शक्ति, सहयोग और समृद्धि : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यह संदेश दिया कि, ग्रामीण पलायन की समस्या का समाधान करने के साथ छोटे किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डेयरी एक महत्त्वपूर्ण विकल्प है। डेयरी सेक्टर ने आज सर्कुलरिटी के संबंध में गुड प्रैक्टिसिस को 250 दूध उत्पादक संघों तक पहुँचाने की विजनरी शुरूआत की है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि देश के साथ-साथ ग्रामीण विकास और भूमिहीन छोटे किसानों को समृद्ध बनाने में भारत का डेयरी क्षेत्र बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। पोषण की चिंता, देश को दुनिया का नंबर एक दूध उत्पादक बनाने में योगदान देना और किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करने में डेयरी क्षेत्र अहम भूमिका निभाता है। कृषि, डेयरी, मत्स्यपालन, बुनाई, ऋण और व्यापार सहित कई प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सहकारिता क्षेत्र को आजादी के बाद भी वर्षों तक उपेक्षा का शिकार बना कर रखा गया था, जबकि देश की आधी से ज्यादा आबादी किसी-न-किसी रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है। ऐसे में, सकारिता क्षेत्र को एक नया क्षितिज प्रदान करने के लिए मोदी सरकार ने जुलाई, 2021 में सहकारिता मंत्रालय के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, जिसका कार्य भार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। जहाँ मोदी जी ने स्वायत्त सहकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने का काम किया, वहीं जन कल्याण से जुड़ी नीतियों के लिए प्रसिद्ध भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता की नींव को मजबूत बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में हिंदी भाषा को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने

स्थानीय पार्टियां भाषा या जाप-पात के नाम पर बनती हैं- अर्जुन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी भाषा को लेकर तमिलनाडु की सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया है कि वह नई शिक्षा नीति 2020 के तहत तीन भाषाओं के फॉर्मूले पर हिंदी भाषा जबरन थोप रही है। तमिलनाडु में भाषा विवाद पर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने आ गए हैं। तमिलनाडु में भाषा विवाद को लेकर बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने कहा कि इस देश में संविधान ने 22 भाषाओं को मान्यता दी है। निश्चित रूप हिंदी भाषा देश की भाषा है। इस देश का दुर्भाग्य है कि जितनी भी स्थानीय पार्टियां बनती हैं, वह या तो भाषा के नाम पर बनती हैं या जात-पात के नाम पर, लेकिन जब राजनीतिक शासन करने की बात आई तो लोगों ने कहीं धर्म के नाम पर, कहीं जाति के नाम पर या फिर भाषा के नाम पर लड़वाया जाता है। हमारे देश के जवान हैं, वह हर प्रांत से आते हैं और हर भाषा को बोलने वाले होते हैं, फिर भी एक साथ काम करते हैं।

तमिलनाडु में भाषा विवाद पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि बीजेपी कुछ भी कर सकती है। वे हिंदी थोप सकते हैं, धर्म थोप सकते हैं। भाषा की लड़ाई पहले भी होती रही है। उन्होंने कहा कि पहले यह तय किया गया था कि तीन भाषा का फॉर्मूला रहेगा। अंग्रेजी, मातृ भाषा और हिंदी। जिस तरह से बीजेपी हिंदी भाषा को थोपकर जनाधार खड़ा करना चाहती है, वह सही नहीं है, आप उन पर हिंदी नहीं थोप सकते हैं।

बता दें कि तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कहा था कि केंद्र सरकार स्कूली छात्रों के लिए धन मुहैया कराने के लिए त्रिभाषा नीति लागू कर रही है, लेकिन तमिलनाडु ने अपनी सफलता के लिए दो-भाषा नीति को अपनाया है। सीएम ने कहा कि तमिलनाडु ने अपनी मातृभाषा तमिल के साथ-साथ अंग्रेजी को तरजीह दी है, हिंदी की बजाय अंग्रेजी को अपनाकर राज्य ने दुनिया से संवाद स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने

हिंदी को थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाई है और अब उत्तरी राज्यों से भी इसे समर्थन मिल रहा है।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर सफाई में उतरी कांग्रेस, हरीश रावत ने बताया फ्रस्टेटेड व्यक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी ने बुधवार को एक नया विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को पहले कैम्ब्रिज में और फिर इंपीरियल कॉलेज में दो बार शिक्षाविदों में असफल बताया। अपनी ही पार्टी के प्रधान मंत्री की आलोचना करने वाले अय्यर की टिप्पणी ने सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे पुरानी पार्टी पर हमले को तेज करने के लिए नया हथियार दे दिया है। हालांकि, अब कांग्रेस मणिशंकर अय्यर के इस बयान के बाद सफाई में आ गई है और भाजपा पर निशाना भी साध रही है।

कांग्रेस सांसद कुँवर दानिश अली ने कहा कि राजीव गांधी को देश में आईटी क्रांति और आधुनिकीकरण लाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत भी की थी। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो फ्रस्टेटेड व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि मैं राजीव गांधी को जानता था, जिन्होंने देश को आधुनिक दृष्टिकोण दिया।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए भी ठोस कदम उठाये। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी (कांग्रेस) का एक वर्ग उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, वरना देश का इतिहास कुछ और होता। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके भाषण आज भी नेताओं का मार्गदर्शन करते हैं।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि अमित मालवीय को चीजों को संपादित करने की आदत है। इसमें कितना सही है और कितना गलत ये तो मणिशंकर ही बता सकते हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी कैसे थे? प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव गांधी ने किस तरह के काम किये? अगर आपको राजीव गांधी का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा।

उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि बीजेपी वाले पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं। पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे और मैट्रिक पास कर चुके हैं, लेकिन हम उन्हें उनकी शिक्षा के कारण नहीं देखते हैं। हम उन्हें पीएम के तौर पर उनके काम की वजह से देखते हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री कभी कैम्ब्रिज नहीं गए लेकिन वह एक सक्षम प्रधान मंत्री थे। इसलिए राजीव गांधी एक सक्षम प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है।

एफआईआर में जाति का जिक्र क्यों? हाईकोर्ट ने यूपी डीजीपी से मांगा जवाब

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी के डीजीपी से सवाल पूछा है। कोर्ट ने कहा है कि वे बताएं कि आखिर एफआईआर में जाति लिखने की क्या जरूरत है और इससे क्या फायदा होता है। जस्टिस विनोद दिवाकर ने संस्थागत पूर्वाग्रह और कुछ समुदाय के साथ सौतेले बर्ताव के खतरे को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने डीजीपी को आदेश दिया कि वह पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें। अगली तारीख पर वह बताएं कि आखिर किसी मामले की एफआईआर में संदिग्धों की जाति लिखने की क्या जरूरत है। एक ऐसे समाज में ऐसा क्यों जरूरी है, जहां जाति एक संवेदनशील मसला है और उसके नाम पर समाज में विभाजन की स्थिति पैदा हो सकती है।

जज ने कहा कि संविधान इस बात की गारंटी देता है कि देश में जातिगत भेदभाव खत्म हो। सभी के लिए समानता और गरिमा के साथ बर्ताव किया जाएगा। पक्षपात के साथ न्याय की

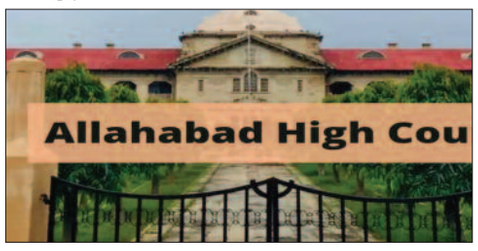

परिभाषा पूरी नहीं होती है। न्याय सभी के लिए एक समान और एक जैसे तरीके से होना चाहिए। जस्टिस दिवाकर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं में जाति और धर्म के उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि था कि याचिका में जाति या धर्म लिखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होता। इसकी बजाय भेदभाव को ही बढ़ा देता है। दरअसल यह मामला 2023 में दायर एक केस को लेकर सुनवाई का है। इटावा पुलिस ने 2013 में आईपीसी और एक्साइज ऐक्ट के तहत एक केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी बनाए गए शख्स को लेकर पुलिस का दावा था कि वह एक अन्य शख्स के साथ कार में सवार था। जांच के दौरान गाड़ी से व्हिस्की की 106 बोतलें पाई गईं। इन बोतलों पर लिखा था- केवल हरियाणा में बिक्री के लिए। उससे पूछताछ के बाद एक और कार को पकड़ा, जिससे 237 बोतलें बरामद हुई थीं। इस मामले में पुलिस का दावा था कि आरोपी गैंग लीडर है, जो हरियाणा से शराब लाता है और उसकी बिहार में बिक्री होती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि हरियाणा से सस्ती शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेची जाए, जहां शराब पर बैन है। इस काम से वे मोटा मुनाफा कमा रहे थे।

ऐसा करने के लिए आरोपियों की ओर से अलग-अलग गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाता था। कई बार एक ही गाड़ी को नंबर प्लेट बदलकर इस्तेमाल किया जाता था। इस मामले की एफआईआर पढ़ने के बाद कोर्ट ने पाया कि सभी आरोपियों की जाति का भी जिक्र किया गया है। इसको अदालत ने आपत्तिजनक माना और डीजीपी से जवाब मांगा है।

केजरीवाल के वीआईपी कल्चर पर स्वाति मालीवाल का तंज, ट्रंप से बड़ा काफिला लेकर चल रहे

-भाजपा का आरोप, विपासना के नाम पर ढोंग और नौटंकी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के करीब एक माह बाद पूर्व सीएम और आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे हैं। वे अपनी पत्नी सुनीता के साथ आनंदगढ़ में 10 दिवसीय विपश्यना सत्र में शामिल होकर ध्यान लगाएंगे। इस बीच केजरीवाल के काफिले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

दरअसल केजरीवाल कभी नेताओं के वीआईपी कल्चर का विरोध करते थे, लेकिन जब वे पंजाब पहुंचे, तब उनकी गाड़ियों का लंबा काफिला दिखाई दिया। पूर्व सीएम के काफिले का वीडियो वायरल होने पर आप की बागी और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल पर तंज कसा है।

स्वाति ने काफिले का वीडियो शेयर कर लिखा कि केजरीवाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा

लेकर घूम रहे हैं। राज्यसभा सांसद स्वाती ने लिखा, जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज खुद ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं।

वहीं बीजेपी भी केजरीवाल के काफिले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेर रही है। बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ऐसी विपासना का क्या फायदा जहां सादगी और आत्मचिंतन की जगह 50 गाड़ियों के काफिले में अहंकार और दिखावा हो? केजरीवाल की ये नकली सादगी एक और नौटंकी है, जो व्यक्ति भ्रष्टाचार और अहंकार में डूबा हो, वहां विपासना के असली अर्थ को क्या समझेगा? जनता सब देख रही है!

वहीं आम आदमी पार्टी की ओर से बताया गया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने केजरीवाल को सुरक्षा दी है। कांग्रेस और बीजेपी वाले मिले हुए हैं। केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं और न ही पंजाब के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।

बैंक से लोन लेने में महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नहीं, हर साल बढ़ रही दर

-रिपोर्ट से हुआ खुलासा, 38 फीसदी ने सोना गिरवी रखकर लिया पर्सनल लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोन लेने के मामले में अब महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। वे बैंकों से पैसा उठा रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लोन लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच सालों में 22 फीसदी सालाना दर से बढ़ी है। महिलाओं ने 42 फीसदी पर्सनल लोन अपने उपभोग से जुड़ी वस्तुओं और घर खरीदने के लिए लिया है। बैंक से लोन लेने वाली महिलाएं मुख्य रूप से सेमी-अर्बन और रूरल इलाकों से आती हैं। ये भी पता चला है कि महिलाओं में अपने क्रेडिट स्कोर को लेकर भी जागरूकता बढ़ी है। क्रेडिट स्कोर चेक करने वाली युवा लड़कियों की दर सालाना करीब 56 फीसदी से बढ़ रही है।

सोमवार को प्रकाशित हुई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि महज तीन फीसदी महिलाओं ने बिजनेस के लिए लोन लिया है। पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन, होम लोन का हिस?सा 42 फीसदी था। गोल?ड लोन सबसे ज?यादा लिया गया। 38 फीसदी महिलाओं ने सोना गिरवी रखकर लोन लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 से कारोबार के इरादे से खोले गए लोन अकाउंट की संख्या में 4.6 गुना बढ़ोतरी हुई है लेकिन ये लोन 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए कुल लोन का सिर्फ तीन फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ज्यादातर महिलाएं लोन लेना चाह रही हैं और सक्रिय रूप से अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी भी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला उधारकर्ताओं में से 60 फीसदी कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में इस दौरान महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा लोन लिया है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि बैंक और फाइनेंशियल कंपनियों के पास महिलाओं को लोन देने का मौका है। महिलाएं लोन लेकर अपनी फाइनेंशियल पावर बढ़ाना चाहती हैं।

बादाम का दूध पीने से हो सकते हैं कुछ नुकसान

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है।

आज के समय में लोग दूध में लैक्टोज फ्री ऑप्शन चुनना पसंद करते हैं और ऐसे में वे बादाम के दूध का सेवन करते हैं। यह काफी लाइट होता है और इसका नटी टेस्ट होता है। शायद यही वजह है कि बादाम के दूध को ऐसे ही पीने के साथ-साथ कॉफी व स्मूदी में भी इस्तेमाल करते हैं। चूंकि, इसमें अक्सर रेग्युलर दूध की तुलना में कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने की जद्दोजहद करने वाले लोगों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हर किसी के लिए बादाम का दूध पीना उतना सेहतमंद ऑप्शन नहीं है।

जबकि बादाम के दूध के अपने फ़ायदे हैं, इसके कुछ साइड इफ़ेक्ट भी हैं, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बादाम का दूध पीने से होने वाले कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं-

थायराइड से जुड़ी समस्याएं

जिन लोगों को थायराइड की शिकायत होती है, उनके लिए बादाम का दूध पीना शायद उतना अच्छा ऑप्शन नहीं है। दरअसल, बादाम में गोइट्रोजन होते हैं, जिन्हें अगर बहुत अधिक मात्रा में लिया जाता है, तो यह थायराइड फ़ंक्शन को बाधित कर सकते हैं। इसलिए, थायराइड से पीड़ित व्यक्ति को हर दिन बादाम का दूध पीने या फिर इसे बहुत अधिक मात्रा में पीने से बचना चाहिए।

किडनी स्टोन का बढ़ सकता है रिस्क

बादाम का दूध किडनी स्टोन की समस्या के रिस्क को भी बढ़ा सकता है। दरअसल, बादाम में ऑक्सालेट होते हैं, जो कुछ लोगों में किडनी स्टोन के गठन में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, जिन लोगों को पहले से ही किडनी स्टोन होने का खतरा है, उन्हें बादाम के दूध सहित बादाम से बने बहुत सारे प्रोडक्ट्स का सेवन करने से बचना चाहिए।

पेट से जुड़ी समस्या

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ लोगों को ब्लोटिंग, गैस या पेट में हल्की ऐंठन की शिकायत भी हो सकती है।

चेन्नई पर्यटन स्थल: दक्षिण भारत का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक हब

“ महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ”

चेन्नई, जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य की राजधानी है और यह दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। चेन्नई की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, सुंदर समुद्र तट, और आधुनिक जीवनशैली इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह शहर न केवल अपने व्यापारिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, संगीत, नृत्य और काव्य कला के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं चेन्नई के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. महाबलीपुरम

महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। विशेष रूप से ‘पंच रथ’ और ‘अरजुन की तपस्या’ जैसे स्थल यहाँ की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर करते हैं।

2. कापालेश्वर मंदिर

चेन्नई में स्थित कापालेश्वर मंदिर एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के आसपास का वातावरण भक्तों को शांति और ध्यान की अनुभूति कराता है। यह मंदिर चेन्नई के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

3. सेंट थॉमस चर्च

सेंट थॉमस चर्च, जो चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट पर स्थित है, एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह चर्च ईसाई धर्म के एक प्रमुख स्थल के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि कहा जाता है कि यहां सेंट थॉमस की ममी दफनाई गई थी। यहां का शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

4. विवेकानंद हाउस

विवेकानंद हाउस, जो चेन्नई के समुद्र तट के पास स्थित है, स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान को समर्पित एक संग्रहालय है। यहां आप स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके कार्यों के बारे में जान सकते हैं। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय संतों और उनके विचारों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

5. अन्ना सलाई

अन्ना सलाई, जिसे मार्सल रोड भी कहा जाता है, चेन्नई का एक प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न व्यापारिक केंद्र, शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं, जो इसे शॉपिंग और खाने-पीने के शौकिनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह क्षेत्र चेन्नई की आधुनिक जीवनशैली को दर्शाता है।

6. ईक्विनॉक्स बीच

चेन्नई के समुद्र तटों में एक प्रमुख नाम ईक्विनॉक्स बीच का है। यह बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ पर शांति और सुकून का अनुभव होता है। सुबह और शाम के समय समुद्र के पास घूमना या बैठना एक अद्भुत अनुभव होता है। यहां का वातावरण स्वच्छ और शांतिपूर्ण होता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

7. वेलाचेरी झील

यदि आप प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं, तो वेलाचेरी झील एक बेहतरीन स्थल है। यह एक शांत और सुंदर झील है, जहाँ आप पैदल चलने, बोटिंग करने या सिर्फ दृश्य का आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। यह स्थल शहर के शोर-शराबे से दूर आराम और सुकून का अनुभव प्रदान करता है।

8. मरीना बीच

मरीना बीच, चेन्नई का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है और यह भारत का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यहां पर घूमने का अनुभव बहुत ही अद्भुत होता है। खासकर सुबह और शाम के समय यहाँ की हवा और समुद्र का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यहाँ के किनारे पर चलना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखना एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

9. चित्तारन मंदिर

चित्तारन मंदिर चेन्नई के पास स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान शिव के नटराज रूप की पूजा की जाती है और यह स्थान भारतीय हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों में से एक है।

10. कांची काचीयमंगलम

कांची काचीयमंगलम, जो चेन्नई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है, तमिलनाडु का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहाँ के प्राचीन मंदिर और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए कांची काचीयमंगलम प्रसिद्ध है। यह स्थल इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श है।

चेन्नई एक विविधताओं से भरा हुआ शहर है, जहां पर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। यहां का प्रत्येक स्थल अपनी अलग पहचान और आकर्षण से भरपूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए जाएं या समुद्र के किनारे शांति का अनुभव करना चाहें, चेन्नई हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आदर्श गंतव्य है।

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन का लेवल कितना होना चाहिए?

2-5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

डॉक्टर और विशेषज्ञ हमेशा जरूरी मात्रा में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने की सलाह देते हैं. दरअसल, आहार से प्राप्त पोषण इम्यून सिस्टम और हमारे शरीर की सभी प्रणालियों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. आहार से मिलने वाले न्यूट्रिएंट्स और मिनरल्स जैसे कि आयरन, प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम आदि शरीर की सभी इंटरनल सिस्टम को सही और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साथ ही, इन न्यूट्रिएंट्स और कई आंतरिक शारीरिक गतिविधियों के कारण हमारे शरीर में कुछ खास तरह के तत्व और तरल पदार्थ भी बनते हैं, जो शरीर को अलग-अलग तरह से पूरी तरह स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाते हैं.

हीमोग्लोबिन भी एक तरह का प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है. खून में हीमोग्लोबिन की कमी एनीमिया यानी खून की कमी का संकेत माना जाता है. वहीं, अगर खून में हीमोग्लोबिन जरूरत से ज्यादा कम होने लगे तो इससे न सिर्फ हमारी शारीरिक और मानसिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं बल्कि कई बार कम या ज्यादा गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं.

खून में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर होना महत्वपूर्ण है

दिल्ली की पोषण विशेषज्ञ डॉ दिव्या शर्मा बताती हैं कि हीमोग्लोबिन हमारी रेड ब्लड सेल्स यानी (आरबीसी) में पाया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है, जो खून के माध्यम से हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य करता है. शरीर में जब हीमोग्लोबिन की मात्रा ज्यादा कम हो जाती है, तो शरीर के सभी अंगों, उत्तकों और कोशिकाओं में आवश्यक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने लगती हैं. यह स्थिति कई रोगों तथा समस्याओं का कारण बन सकती हैं.

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन कितना होना चाहिए

डॉ. दिव्या बताती हैं कि पुरुष, महिला और बच्चों में इसकी आदर्श मात्रा अलग-अलग होती है, उदाहरण के लिए सामान्य स्थिति में नवजात शिशु में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर 17.22 ग्राम/डीएल माना जाता है, जबकि बच्चों में यह 11.13 ग्राम/डीएल होता है. वहीं, एक वयस्क पुरुष के रक्त में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर 14 से 18 ग्राम/डीएल और एक वयस्क महिला में 12 से 16 ग्राम/डीएल माना जाता है. वयस्कों में इस संख्या में एक या दो अंकों की कमी आमतौर पर बहुत गंभीर नहीं मानी जाती है, लेकिन अगर रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 8 ग्राम या उससे नीचे चला जाए तो इसे चिंताजनक स्थिति माना जाता है. इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी हो जाता है.

2 से 5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

2 से 5 साल की उम्र के बच्चे में हीमोग्लोबिन का स्तर 11.5 से 13.5 ग्राम प्रति डेसीलिटर होना चाहिए. यह स्तर बच्चे के विकास और अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है.

शरीर में एनीमिया के लक्षण

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी या एनीमिया की समस्या होने पर पीड़ित लोगों में कई बार कम या ज्यादा तीव्रता में कुछ शारीरिक व मानसिक समस्याएं नजर आने लगती हैं. जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं.

लगातार या जल्दी जल्दी सिर दर्द होना

सांस फूलना तथा चक्कर आना
थकान और कमजोरी
शरीर में अकड़न महसूस होना
लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी
शरीर में एनर्जी में कमी
चिड़चिड़ापन तथा घबराहट होना
सीने में दर्द
तेज या अनियमित दिल की धड़कन
खून की कमी
ज्यादा ठंड लगना और हाथ और पैर ठंडे होना
एकाग्रता में कमी
हड्डियों में कमजोरी
कमजोर इम्यूनिटी या इम्यूनिटी से संबंधित रोग

महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान ज्यादा दर्द होना , आदि.

ये हैं खून की कमी के कारण

डॉ. दिव्या बताती हैं कि हमेशा शरीर में पोषण की कमी ही ब्लड में हीमोग्लोबिन कम होने का कारण नहीं होती. कई बार आनुवंशिक कारणों, सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक समस्याओं, कैंसर, थैलेसीमिया, किडनी की समस्याओं, लिवर की बीमारी जैसी कुछ बीमारियों या शारीरिक समस्याओं, ऑटोइम्यून बीमारी, बोन मैरो डिसऑर्डर और थायरॉयड रोग जैसी कुछ पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो सकता है. इसके अलावा, जिन लोगों के ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा अपेक्षित संख्या से कम होती है, उन्हें कभी-कभी अवसाद, उदासीनता, उनींदापन और चिड़चिड़ापन और संज्ञानात्मक और तार्किक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है.

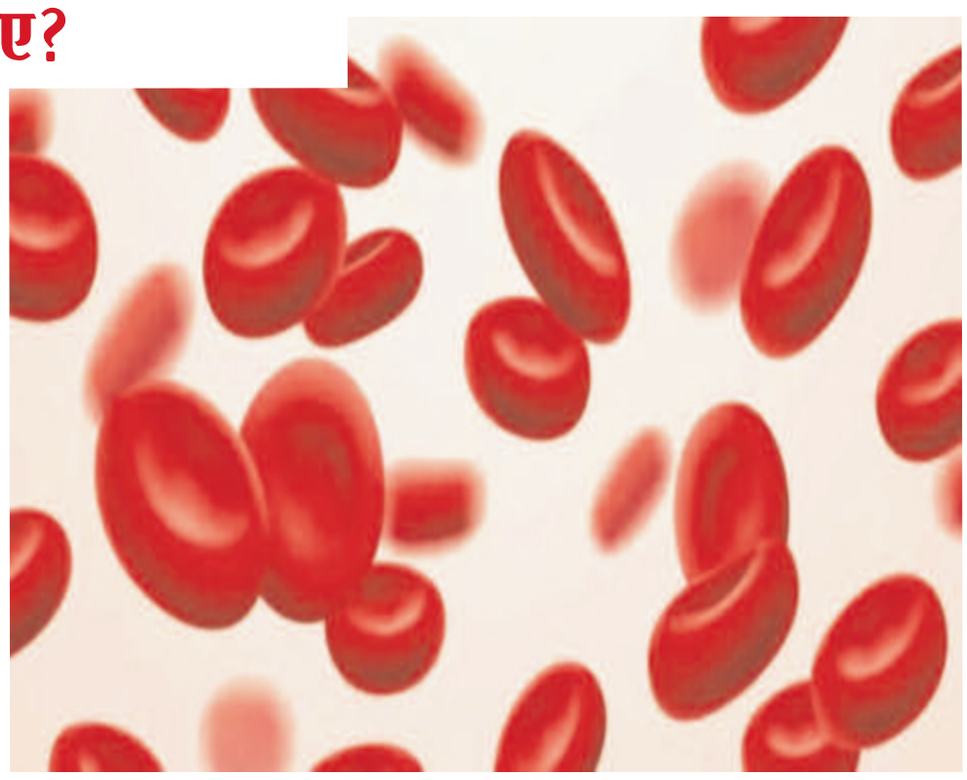

आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर चैट करने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

आर माधवन फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए मशहूर हैं। अब उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर फैली गलतफहमियों को दूर किया, जिसमें कुछ लोगों का मानना था कि वह युवा लड़कियों के साथ छेड़खानी करते हैं। अभिनेता इन अफवाहों का खंडन करने और स्थिति को साफ करने के लिए आगे आए और इस मामले में अपनी बात सामने रखी। चेन्नई में एक एप के लॉन्च के दौरान आर माधवन ने सोशल मीडिया पर अपने साथ होने वाली बेवजह जांच के बारे में बात की। वह इस एप में निवेशक के तौर पर शामिल हुए हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए माधवन ने एक उदाहरण साझा किया और कहा, एक युवा लड़की ने मुझे संदेश भेजा, मैंने यह फिल्म देखी। मुझे यह बहुत पसंद आई। मुझे लगा कि आप एक शानदार अभिनेता हैं, बहुत बढ़िया। आपने मुझे प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने दिल, किस और लव इमोजी भेजे।

अभिनेता ने क्यों किया फैन को रिप्लाई?

आर माधवन ने आगे कहा कि अब, जब कोई प्रशंसक मुझसे इतने विस्तार और प्यार से बात करता है तो मैं जवाब देने के लिए मजबूर महसूस करता हूं। मैं आमतौर पर जवाब देता हूं और मैंने ऐसा ही किया। मैंने उन्हें जवाब दिया और लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बहुत दयालु हैं। भगवान आपका भला करे। हालांकि, लड़की ने तब मेरे रिप्लाई का स्क्रीनशॉट लिया और इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

माधवन को करना पड़ा समस्या का सामना

अब लोग क्या देखते हैं? दिल, चुंबन और प्यार भरी बातें और मैडी ने इसका जवाब दिया है। मेरा इरादा उस पर जवाब देने का नहीं था। मेरा इरादा उसके संदेश का जवाब देने का था, लेकिन यह एक छोटी सी बात है, आप केवल उस प्रतीक को देखते हैं और कहते हैं ओह मैडी छोटी लड़कियों से बात कर रहा है। अगर मुझे यही डर है और मुझे हर बार सोशल मीडिया पर संदेश डालते समय इधर-उधर भागना पड़ता है तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मुझे मेरे अनुभव के साथ इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो किसी दूसरे व्यक्ति को कितनी समस्या होगी?

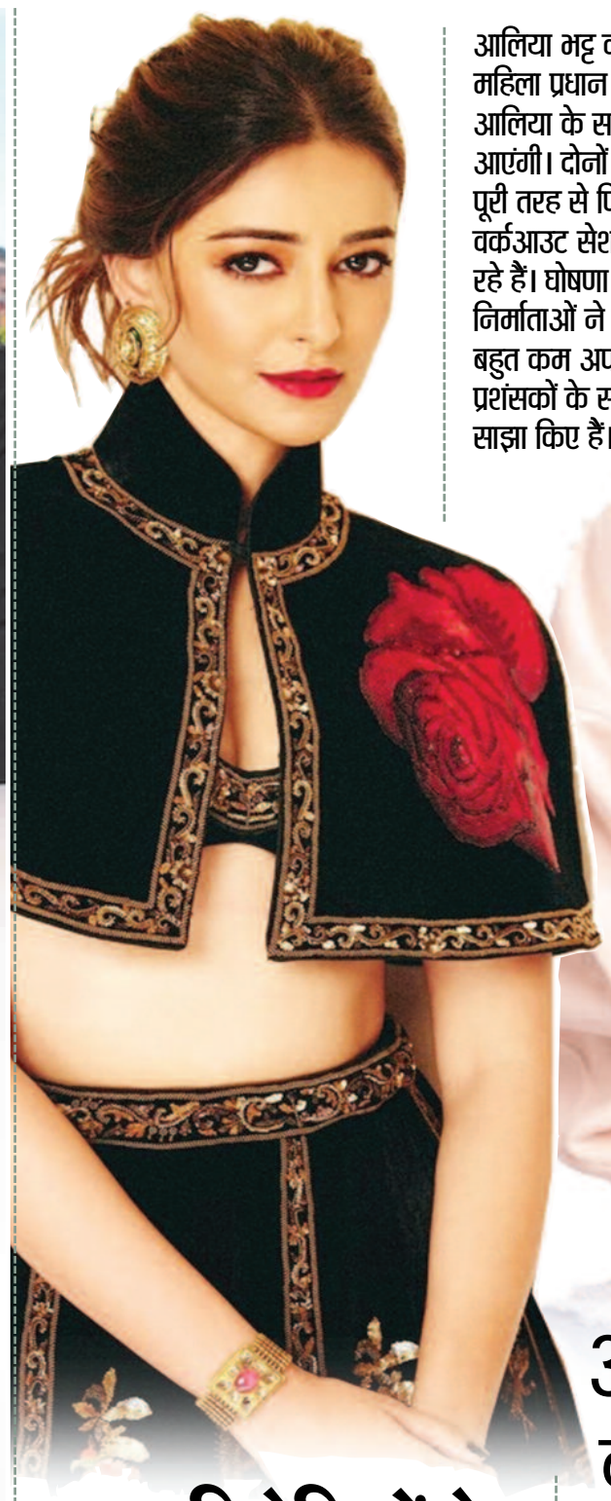

इन अभिनेत्रियों के किरदार निभाना चाहती हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने अपनी कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। हाल ही में अनन्या ने खुलासा किया कि वह करीना कपूर खान के किरदार पू और गीत को निभाना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह करीना द्वारा निभाए गए किरदारों में से कुछ भी नहीं कर पाएंगी। अनन्या ने ये जवानी है दीवानी में दीपिका पादुकोण की भूमिका का भी नाम लिया। हाल ही में वोग इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में अनन्या की फिल्म कॉल मी बे के डायरेक्टर कॉलिन डीकुन्हा ने जब उनसे पूछा कि वह कौन से किरदार निभाना चाहेंगी। जवाब में अनन्या ने करीना कपूर खान की फिल्म कभी खुशी कभी गम की पू और जब वी मेट की गीत का नाम लिया, जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

अनन्या ने कहा, मैं शायद करीना द्वारा किए गए काम का 0.1 प्रतिशत भी नहीं दे पाऊंगी, लेकिन वे बहुत मजेदार होंगे। अनन्या ने आगे कहा की वह चमेली में करीना की भूमिका, लक बाय चांस में कोंकणा सेन शर्मा और ये जवानी है दीवानी में दीपिका पादुकोण के किरदार को निभाने की चाहत रखती हैं। इसी इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे की फिल्म गहराइयां के निर्देशक शकुन बत्रा ने उनसे उनके ड्रीम रोल के बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि वह बायोपिक करना पसंद करेंगी। उन्होंने बताया कि उन्हें द क्राउन और स्पेंसर में प्रिंसेस डायना के किरदार देखने में मजा आया। अनन्या ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी ऐसा कर पाऊंगी, लेकिन मुझे मधुबाला, मीना कुमारी और वहीदा रहमान जैसी 50 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्रियों का किरदार निभाना की इच्छा है। काम की बात करें तो अनन्या पांडे कथित तौर पर केसरी चैप्टर 2- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में अनन्या के अलावा अक्षय कुमार और आर माधवन भी नजर आएं।

आलिया भट्ट वाईआरएफ की स्पाईवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। आलिया के साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। दोनों कलाकार अपनी भूमिकाओं में पूरी तरह से फिट होने के लिए अपने वर्कआउट सेशन में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। घोषणा के बाद से निर्माताओं ने फिल्म के बारे में बहुत कम अपडेट ही प्रशंसकों के साथ साझा किए हैं।

आलिया भट्ट ने फिल्म अल्फा के बारे में साझा किया अपडेट

आलिया ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के लिए एक मीट-एंड-ग्रीट सेशन आयोजित किया, जहां उन्होंने उन्हें अल्फा के बारे में बताया। एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान एक प्रशंसक ने आलिया से पूछा कि वह किस किरदार को एक दिन के लिए जीना पसंद करेंगी। बिना ज्यादा सोचे-समझे उन्होंने तुरंत जवाब दिया, सबसे अच्छा हमेशा अगला होता है। इस जवाब के साथ आलिया ने अपनी अगली फिल्म अल्फा में उनकी बहुप्रतीक्षित भूमिका की ओर इशारा किया। रिपोर्ट के अनुसार, आलिया ने अपने किरदार के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है। आलिया ने बीते साल 5 जुलाई को अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी थी। फिल्म में उन्हें पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाया जाएगा। सुपर एजेंट की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए लगभग चार महीने तक ट्रेनिंग ली है। फिल्म में उनके पांच से छह एक्शन सीक्वेंस हैं और उन्हें सबसे फिट रहने की जरूरत है।

अल्फा की घोषणा

आलिया और शरवरी ने एक पोस्ट के साथ 2024 में अल्फा की घोषणा की थी। बैकग्राउंड ऑडियो में आलिया कह रही थीं, ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का आदर्श वाक्य.. सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा..अल्फा। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग कश्मीर में हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन और बॉबी देओल फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगे।

सामंथा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 15 साल

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्मी दुनिया में15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एक खास कार्यक्रम में सामंथा रुथ प्रभ को सम्मानित किया गया। यह लम्हा प्यार, पुरानी यादों और प्रशंसकों के उत्साह से भरा हुआ था। जब उन्होंने अवॉर्ड हासिल किया तब वह उत्साहित लग रही थीं।

सामंथा को अवॉर्ड

सामंथा के फिल्मी दुनिया में 15 साल पूरे होने पर उन्हें एमसीआर ग्रुप ऑफ कंपनीज की तरफ से सम्मानित किया गया। सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की, इसमें उन्होंने लिखा कि 15 साल। महान। सौभाग्यपूर्ण। प्यारे। बहुत कुछ आना बाकी है। धन्यवाद चेन्नई। सम्मान के लिए शुक्रिया।

वरुण धवन के साथ किया काम

सामंथा ने अवॉर्ड की जगह से साड़ी में अपनी कई फोचो शेयर की हैं। सामंथा ने अपने लुक को गोल्डन साड़ी और गहनों से पूरा किया था। सामंथा के काम की बात करें तो वह आखिरी बार सिटाडेल हनी बनी में नजर आई थीं। उनके साथ वरुण धवन ने काम किया है। सामंथा ने साल 2010 में तेलुगू फिल्म ये माया चेसावे से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में सर्वश्रेठ डेब्यू अभिनेत्री के लिए उन्हें फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला।

तमिल तेलुगू में मिल चुका है अवॉर्ड

उन्हें साल 2012 में नीथाने एन पोनवसंथम तमिल फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला। इसके साथ इसी साल में उन्हें तेलुगू फिल्म ईगा में काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड दिया गया। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दीं। उन्होंने अत्तरीनतिकी दरेदी (2013), कत्थी (2024), थेरी (2016), 24 (2016), मेरसल (2017) साल 2012 में सामंथा हिंदी फिल्म एक दीवाना था में नजर आईं।

अंजलि आनंद ने फिल्म इंडस्ट्री के भेदभाव पर बात की, 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी संग की एक्टिंग

अंजलि आनंद ने टीवी सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज जैसे सभी मीडियम में काम किया है। अलग-अलग किरदार और जॉनर के प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रही हैं। लेकिन उनकी एक्टिंग को सराहने की बजाय उनको बस एक प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर ही पहचाना जा रहा है। ऐसे में अंजलि का कहना है कि ऐसा सिर्फ फीमेल एक्ट्रेस के साथ होता है, हीरो या मेल एक्टर्स के साथ ऐसी सिचुएशन क्रिएट नहीं होती है।

एक्टर्स को कोई प्लस साइज नहीं बोलता

हाल ही में फीवर एफएम को दिए गए हालिया इंटरव्यू में अंजलि आनंद बताती हैं कि कभी किसी ने गोविंदा को, ऋषि कपूर जी को नहीं कहा कि वे प्लस साइज एक्टर हैं। लेकिन एक महिला कलाकार को आसानी से प्लस साइज एक्ट्रेस कहा जाता है। मुझे भी अंजलि आनंद प्लस साइज एक्ट्रेस के तौर पर भी जाना जाता है।' इस बात के जरिए अंजलि ने इंडस्ट्री के भेदभाव वाले व्यवहार से परदा उठाया है। अंजलि आनंद एक उम्दा एक्ट्रेस हैं, उन्हें वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस के साथ काम करने का मौका मिला है।

डब्बा कार्टेल में अंजलि का रोल

डब्बा कार्टेल की स्टोरी ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही होती हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। शो का हल्का-फुल्का अंदाज तो दिखाई देता है, लेकिन इसमें दिखाया गए अपराध और माफिया की दुनिया रोचक है। इस वेब सीरीज में अंजलि ने भी एक आम सी दिखने वाली महिला का रोल किया है, लेकिन वह भी ड्रग माफिया का हिस्सा हैं।

इसलिए शाहिद को नहीं मिली थी एनिमल, निर्देशक संदीप ने की तारीफ

फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी फिल्म एनिमल के बारे में बताया है कि उन्होंने इस फिल्म में शाहिद कपूर के बजाए रणबीर कपूर को क्यों लिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि शाहिद ने कबीर सिंह में बेहतरीन प्रदर्शन किया था लेकिन वह एनिमल के लिए रणबीर के साथ अलग काम करना चाहते थे।

इसलिए संदीप ने शाहिद के बजाए रणबीर को चुना

गेम चेंजर्स के साथ बातचीत में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि शाहिद का नाम उनके पास नहीं आया। क्योंकि एनिमल एक भावनात्म कहानी थी इसलिए उनके दिमाग में रणबीर कपूर का नाम आया। इसी इंटरव्यू में संदीप रेड्डी ने कबीर सिंह में बेहतरीन काम करने के लिए उनकी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उनके साथ काम करने पर उन्हें तजुर्बा मिला। उन्होंने कहा कि शाहिद रीमेक में काम करने के लिए बहुत इच्छुक थे। चूंकि कबीर सिंह एक रीमेक फिल्म थी, इसलिए इस पर कम चर्चा हुई।

मौलिक अभिनेता हैं शाहिद कपूर

संदीप ने शाहिद के बारे में बताया कि वह एक मौलिक अभिनेता हैं इसलिए उन्हें रीमेक फिल्मों में काम नहीं करना चाहिए। शाहिद के साथ काम करने को लेकर संदीप ने कहा, हमने एक सीन को 90 मिनट में पूरा कर लिया जो स्क्रिप्ट में नहीं था और हमने इसे शूट करने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन जब लाइट शिफ्ट हुई, तो शाहिद से मैंने पूछा कि इसमें कितना वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि एक घंटा, तो मैंने कहा, शाहिद, एक घंटा क्यों बर्बाद कर रहे हो? चलो इसे शूट करते हैं। इसके बाद शाहिद ने इसे बिना वक्त गंवाए शूट कर दिया। तभी मुझे एहसास हुआ कि शाहिद जैसे अभिनेता को रीमेक नहीं करना चाहिए- वह मौलिक अभिनेता हैं। मैंने उन्हें कई बार यह बात बताई।

कबीर सिंह विजय देवरकोंडा और शालिनी पांडे की तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी की हिंदी रीमेक थी। 2019 की कबीर सिंह में शाहिद कपूर ने कियारा आडवाणी के साथ सह-अभिनय किया। संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म एनिमल का भी निर्देशन किया है।

दीपिका कक्कड़ ने बीच में छोड़ा 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ', सोशल मीडिया पर हो रही हैं ट्रोल?

एक लंबे गैप के बाद टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने छोटे पर्दे पर वापसी की। वह कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आईं, अपने कुकिंग का टैलेंट भी दर्शकों को दिखाया। लेकिन अचानक कुछ दिन पहले ही दीपिका कक्कड़ ने कुकिंग रियालिटी शो छोड़ दिया। शो छोड़ने का जो कारण दीपिका ने बताया है, उस पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को भरोसा नहीं है। वह दीपिका को झूठ बोलकर शो छोड़ने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। पिछले दिनों टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने यह कहकर 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' शो बीच में छोड़ दिया कि उनके हाथों में काफी दर्द है और वह शो में आगे हिस्सा नहीं ले सकती हैं। शो से बाहर आने के बाद दीपिका अपने पति शोएब इब्राहिम के साथ वैकेशन पर भी निकल गईं। साथ ही वह अपने बच्चे की भी अच्छी केयर करती दिखीं। ये सभी वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट हुए। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स ने दीपिका को ट्रोल किया कि वह झूठ बोलकर शो से बाहर आई हैं। वह आसानी से हाथों में कैमरा उठा रही हैं और व्लॉगिंग कर रही हैं।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673